CCI NG 3.7 Product: DelhiMasalamixBS PubDate: 21-01-2026 Zone: TIMSGhaziabad Edition: 1 Page: HDGZFP User: cci Time: 01-20-2026 23:12 Color:

इरफान खान बोले, तुम डी डे में भी गाना डाल दोगे: निखिल p4

NBT
नवभारत टाइम्स । गाजियाबाद । बुधवार, 21 जनवरी 2026

गाज़ियाबाद Times

OF INDIA

उत्तराखंडी संस्कृति की सुगंध बिखेरी P2

नोएडा से सबक : मॉल व सोसायटियों के बेसमेंट की होगी जांच

Akhandpratap.singh
@Timesofindia.com

■ **गाजियाबाद :** नोएडा सेक्टर 150 में स्थित एक निर्माणाधीन मॉल के बेसमेंट में जलभराव के कारण हुई दुखद मौत से सबक लेकर प्रशासन एक्टिव मोड में आ गया है। वहां की घटना को गंभीरता से लेते हुए डीएम रविंद्र कुमार मांदड़ ने कड़े कदम उठाए हैं। प्रशासन का मानना है कि ऐसी घटनाएं बेसमेंट सुरक्षा, जल निकासी व्यवस्था और अग्निशमन मानकों में गंभीर लापरवाही का नतीजा होती है, जो भविष्य में किसी बड़ी आपदा का कारण बन सकती है। ऐसे में प्रशासन ने सभी मॉल, आवासीय बहुमंजिला सोसायटियों, निर्माणाधीन मॉल और हाईराइज बिल्डिंगों की सघन जांच कराने का फैसला लिया है।

इसके लिए नगर आयुक्त, जीडीए उपाध्यक्ष, आवास विकास परिषद के अधीक्षण अभियंता और मुख्य अग्निशमन अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिला प्रशासन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बिल्डरों द्वारा सुरक्षा मानकों के साथ कोई खिलवाड़ न किया जा रहा हो। खास तौर पर उन अधूरे निर्माण कार्यों पर नजर रखी जाएगी जहां खुदाई करके बेसमेंट को वैसे ही छोड़ दिया गया है। ऐसे स्पॉट को पहले चिह्नित किया जाएगा फिर एक्शन लेने की बारी आएगी।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आपदा प्रबंधन अधिनियम की धाराओं के तहत अधिकारियों को यह अधिकार प्राप्त है कि वे संभावित आपदा को रोकने के लिए पूर्व में ही निवारक कार्रवाई सुनिश्चित करें। अब जिले के हर बड़े परिसर की सुरक्षा का ऑडिट होगा और कमियां मिलने पर प्रोजेक्ट पर रोक भी लगाई जा सकती है।

AI Image

अधूरे निर्माण और बिल्डरों की लापरवाही पर सर्जिकल स्ट्राइक

प्रशासन के संज्ञान में यह बात आई है कि कई जगहों पर बिल्डर बेसमेंट की खुदाई करके उसे अधूरा छोड़ देते हैं। ऐसी जगहों पर बारिश या पाइप लीकेज की वजह से पानी जमा होने का खतरा बना रहता है, जो पूरी इमारत की नींव को कमजोर कर सकता है। जिला प्रशासन ने साफ लहजे में चेतावनी दी है कि जनहानि के किसी भी संभावित खतरे को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है और सभी संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के लिए नोटिस भेजा जा चुका है।

हर पहलुओं की बारीकियां देखेंगे

प्रशासन ने विभागों को निर्देश दिया है कि वे आपसी समन्वय से संयुक्त जांच अभियान चलाएं। इसमें नगर निगम, जीडीए और फायर विभाग की टीमें मिलकर मौके पर जाकर निरीक्षण करेंगी। इस दौरान तमाम बारीकियां परखी जाएंगी। कहीं भी गंभीर कमियां पाई जाती हैं, तो आपदा प्रबंधन अधिनियम की धारा 33 और 34 के तहत तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई के आदेश दिए जाएंगे। जरूरत पड़ने पर संबंधित भवन के संचालन या निर्माण पर तब तक रोक लगाई जा सकती है जब तक कि मानकों को पूरा न कर लिया जाए। जांच की विस्तृत रिपोर्ट जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को सौंपनी होगी।

इन 5 प्रमुख बिंदुओं पर होगा प्रशासन का कड़ा फोकस

बेसमेंट में जलभराव : बेसमेंट में पानी भरने की संभावना और उससे निपटने के लिए डी-वॉटरिंग व्यवस्था की जांच होगी।

पंपिंग और अलार्म : पंपिंग सिस्टम, पावर बैकअप और आपातकालीन अलार्म सिस्टम का वर्किंग कंडीशन में होना अनिवार्य है, इसे खास तौर पर देखा जाएगा।

स्टॉर्म वॉटर ड्रेन: बारिश के पानी की निकासी के लिए पुख्ता इंतजाम होने चाहिए।

फायर सेफ्टी और निकास : अग्निशमन सुरक्षा मानकों का पालन और इमरजेंसी एग्जिट की उपलब्धता जांची जाएगी।

श्रमिकों की सुरक्षा : निर्माणाधीन भवनों में काम करने वाले मजदूरों और आम जनता की सुरक्षा के लिए अपनाए गए उपायों का परीक्षण होगा।

NBT से जुड़ें

अपने सेक्टर, सोसायटी, कॉलोनी, स्कूल-कॉलेज या संस्थान से जुड़ी कोई खबर एनबीटी तक पहुंचाना चाहते हैं तो 9266462955 पर वॉट्सऐप करें। QR कोड स्कैन करके भी मेसेज भेज सकते हैं। अपना और इलाके का नाम लिखें। शुरुआत में #GZB लिखें।

हेल्पलाइन नंबर 24/7

पुलिस कंट्रोल रूम
0120-2820758

ट्रैफिक कंट्रोल रूम
9643322904

नगर निगम गाजियाबाद हेल्पलाइन नंबर-टोल फ्री नंबर
1800 1803 012

विद्युत विभाग इमरजेंसी
9193320115

डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल इमरजेंसी
8826294546

फायर कंट्रोल
0120-2777102
9454418348

बेपरवाही की हद, DME पर 6km तक उलटी दिशा में दौड़ाई कार

टीआई ने किया पीछा, सात हजार का चालान कर गाड़ी सीज की

NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे (DME) पर दिल्ली से मेरठ जाने वाली साइड में एक चालक ने उलटी दिशा में करीब छह किमी तक दिल्ली की ओर कार दौड़ा दी। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि बड़ा हादसा हो सकता था। डीएमई पर पैट्रोलिंग टीम में तैनात ट्रैफिक इंस्पेक्टर (टीआई) अजय यादव ने मेरठ से दिल्ली साइड से उसका पीछा किया और आगे यूपी गेट पॉइंट पर तैनात पुलिसकर्मियों से संपर्क कर एंट्री पॉइंट पर कार चालक को रोका गया। इसके बाद गाड़ी सीज कर सात हजार रुपये का चालान किया गया। मामला 19 जनवरी की सुबह करीब साढ़े 10 बजे का है। गनीमत रही कि इससे कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। इसका विडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर बड़ा हादसा टला, विडियो वायरल

टीआई अजय यादव ने बताया कि सोमवार सुबह करीब साढ़े दस बजे दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर दिल्ली से मेरठ जाने वाली साइड में एक तेज रफ्तार कार उलटी दिशा में दौड़ रही थी। उन्होंने सरकारी गाड़ी से डीएमई पर कार का पीछा किया और उसे रोकने का प्रयास किया। कार की रफ्तार काफी तेज थी। ऐसे में उन्होंने यूपी गेट की साइड ड्यूटी पर तैनात यातायात पुलिस से समन्वय बनाया और कार को रोकने के लिए कहा। इंदिरापुरम पॉइंट पर पुलिस ने कार चालक को रोक लिया। करीब छह किलोमीटर तक चालक ने रॉन्ग साइड कार को दौड़ाया। एसीपी यातायात निसारउद्दीन ने बताया कि कार सीज कर सात हजार रुपये का चालान किया गया है। बता दें कि इससे पहले भी रॉन्ग साइड चलने के कई मामले सामने आ चुके हैं।

कार सवार दिल्ली से आ रहा था और उसे नोएडा जाना था। रास्ते में कई बार टक्कर होने से बची

डासना जाने से बचने के लिए लिया यूटर्न

पूछताछ में नोएडा सेक्टर 62 निवासी कार चालक लक्की पटेल ने बताया कि वह दिल्ली से आ रहा था और उसे नोएडा जाना था। वह दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे वाली लेन पर चढ़ गया। विजयनगर पहुंचने के बाद पता चला कि अब डासना से यू टर्न लेना पड़ेगा। ऐसे में उसने कार को यूटर्न कर उलटी दिशा में चलाना शुरू कर दिया। कार उसकी बहन ज्योति पटेल के नाम पर पंजीकृत है। पुलिस ने कार चालक को फटकार लगाकर जान जोखिम में न डालकर वाहन चलाने की नसीहत दी। इसके बाद गाड़ी को सीज कर लिया।

बड़ा हादसा टला : बता दें कि विडियो में रॉन्ग साइड चल रही कार काफी तेज रफ्तार में दौड़ती नजर आ रही है। वहीं, सही दिशा में भी जा रहे वाहन तेज रफ्तार में चलते नजर आ रहे हैं। गनीमत रही कि इससे कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। आमने सामने वाहनों की भिड़ंत होती तो बड़ा हादसा हो सकता था।

आरोपी नोएडा का निवासी है

DME पर हुए हादसे

	हादसे	घायल	मौत
2023	53	40	44
2024	21	37	21
2025	41	39	25

NHAI के दावे खोखले साबित हुए

डीएमई पर पूर्व में हुए हादसों के बाद एनएचएआई ने दावा किया था कि कंट्रोल रूम के जरिए एक्सप्रेसवे की मॉनिटरिंग कर नियमों का उल्लंघन करने वालों के ऑनलाइन चालान किए जाएंगे और ट्रैफिक पुलिस से कोऑर्डिनेशन करके कार्रवाई की जाएगी। सोमवार को करीब छह किलोमीटर तक एक कार डीएमई पर गलत साइड में दौड़ी लेकिन एनएचएआई के कंट्रोल रूम से पुलिस को सूचना नहीं मिली। एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर अरविंद कुमार का कहना है कि एनएचएआई और ट्रैफिक पुलिस का कोऑर्डिनेशन रहता है। इस मामले में देखा जाएगा कि टीम का समन्वय क्यों नहीं बन पाया।

फूड पॉइजनिंग से कैसे बीमार हुईं छात्राएं, जांचेगी 4 सदस्यीय समिति

मंगलवार को हॉस्टल की मेस से खाने के सैंपल लिए

■ NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद

निवाड़ी स्थित जयप्रकाश नारायण सर्वोदय स्कूल में फूड पॉइजनिंग से बीमार हुईं छात्राओं के मामले में जांच के आदेश दिए गए हैं। इसके साथ ही मंगलवार को खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए गए। इनमें से 9 सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। इनकी रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। सीडीओ ने बताया कि बच्चों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसकी जांच के लिए चार सदस्यीय कमिटी बनाई गई है।

बता दें कि स्कूल के हॉस्टल की मेस में रविवार को खाने के बाद 18 छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई। उल्टी और पेट दर्द की शिकायत के उन्हें देर रात इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डासना ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी छात्राओं को छुट्टी दे दी गई। मंगलवार को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने मौके का मुआयना किया। सहायक आयुक्त (खाद्य)-2 के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने स्कूल की कैंटीन और मेस का निरीक्षण किया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी अरुण कुमार और नरेंद्र कुमार की टीम ने कैंटीन संचालिका सविता और विद्यालय की प्रधानाध्यापिका वंदना यादव की मौजूदगी में किचन और खाद्य सामग्री भंडार का निरीक्षण किया। इस दौरान तैयार भोजन के नमूने लिए गए। इसमें दलिया, चना, दाल, आलू गाजर की सब्जी और चावल शामिल हैं। कुल नौ नमूने जांच के लिए भेजे गए। मेडिकल ऑफिसर डॉ. आशुतोष ने बताया कि सोमवार को कुछ छात्राएं अपने अभिभावकों के साथ घर चली गई थीं। मंगलवार को दोबारा स्वास्थ्य जांच की गई, जिसमें सभी छात्राएं स्वस्थ पाई गईं और परीक्षा देती नजर आईं। प्रधानाध्यापिका ने भी बताया कि अब सभी छात्राएं पूरी तरह स्वस्थ हैं। खाद्य विभाग के अनुसार विद्यालय की कैंटीन से पहले भी अगस्त और अक्टूबर 2025 में भोजन के नमूने लिए जा चुके हैं। हालांकि इनकी रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

मेस पर उठे सवाल

इस मेस की जिम्मेदारी एक महिला स्वयं सहायता समूह के पास है। किसी अनुभवी संस्था के पास इसकी जिम्मेदारी होनी चाहिए। नाम न छापने की शर्त पर एक स्टाफ ने बताया कि इस समूह के पास खाना मुहैया कराने का कोई अनुभव नहीं है। समाज कल्याण अधिकारी संदीप चौधरी ने बताया कि जांच चल रही है।

> इस पूरे मामले की जांच के लिए 4 सदस्यीय कमिटी बनाई गई है। इसमें जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, समाज कल्याण अधिकारी और वहां के स्थानीय ब्लॉक डिवेलपमेंट ऑफिसर शामिल हैं। मामले की हर पहलू से जांच की जाएगी।
> – अभिनव गोपाल, मुख्य विकास अधिकारी

मंदिर के पास मीट की दुकान का विरोध

■ **NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद :** गोविंदपुरम में एक मंदिर से कुछ दूरी पर ही मीट की दुकान है। आरोप है कि वहां कारीगर रोटी पर थूककर ग्राहकों को परोस रहे हैं। प्राचीन शिव मंदिर निवासी आचार्य शिवाकांत पांडेय ने कविनगर थाने में फैजान और दुकान मालिक अमजद के खिलाफ केस दर्ज कराया। पांडेय ने बताया कि मीट की दुकान मंदिर से महज 50 मीटर की दूरी पर है। 19 जनवरी की रात करीब साढ़े नौ बजे कारीगर फैजान को ग्राहकों को परोसे जाने वाली रोटी पर जानबूझकर थूकते हुए देखा गया।

विरोध करने पर फ्लैट मालिक ने धमकाया

किराये पर लिया फ्लैट, रूम में लगा था CCTV

■NBT रिपोर्ट, टीएचए

ऐप के माध्यम से किराये पर फ्लैट लेना एक युवती को भारी पड़ गया। फ्लैट को युवती ने अस्पताल में भर्ती रिश्तेदार की देखभाल के लिए किराये पर लिया था। युवती को फ्लैट में दो कैमरे लगे मिले, जिसमें एक कैमरा वॉशरूम की ओर और दूसरा कैमरा लिविंग रूम की ओर है। इससे उनके निजी विडियो भी कैद हो सकते हैं। पीड़िता ने फ्लैट देने वाले से इस बारे में शिकायत की। आरोप है कि शिकायत करने पर आरोपी ने जान से मारने की धमकी दे डाली। इसके बाद पीड़िता ने पुलिस से मामले की शिकायत की है।

बुलंदशहर निवासी युवती का कहना है कि उनके मामा मैक्स हॉस्पिटल वैशाली में एडमिट थे। इसके चलते उनकी देखभाल और तीमारदारी के लिए अस्पताल के नजदीक वैशाली सेक्टर-1 में उन्होंने दो दिन के लिए एक फ्लैट किराए पर लिया था। वह लोग 31 जनवरी को दोपहर के समय फ्लैट में पहुंचे। इसके बाद वह हॉस्पिटल चले गए थे। कुछ देर बाद वह लोग हॉस्पिटल से लौटे तो फ्लैट के लिविंग रूम में सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ था। श्रेया के अनुसार, उन्होंने कैमरा लगाने का विरोध करते हुए फ्लैट मालिक यश को कॉल की। आरोप है कि यश ने फोन पर ही गालीगलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इतना ही नहीं गार्ड ने भी उनके साथ गालीगलौच की। इसके बाद पीड़िता ने कौशांबी थाने में तहरीर दी। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई की जा रही है।

AI Image

निजता पर हमला

■ मामा की तीमारदारी के लिए अस्पताल के पास ही किराये पर लिया था फ्लैट

फटाफट खबरें

2 करोड़ रुपये का आईटीसी क्लेम लिया

■ **NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद :** हापुड़ में जीएसटी विभाग ने फर्जी फर्म से 2 करोड़ रुपये आईटीसी क्लेम करने के मामले का पर्दाफाश किया है। विनायक नाम की फर्म जो मुख्य रूप से स्क्रैप कारोबार से जुड़ी है, गलत तरीके से इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) का फायदा उठा रही है। मौके पर जांच करने पर व्यापारी हाई रिस्क इन आईटीसी (ITC में अचानक भारी उछाल) के दायरे में पाया गया। गड़बड़ी पकड़े जाने पर विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए व्यापारी से मौके पर ही 40 लाख रुपये जमा करवाए हैं। जीएसटी में आईटीसी (Input Tax Credit) का खेल शातिर तरीके से खेला जाता है। इसमें कुछ लोग कागजों पर फर्जी कंपनियां बनाते हैं।

रोड पर खेलती बच्ची को कुचला, मौत

■ **NBT न्यूज, हापुड़ :** थाना गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र के बृजघाट में सड़क पर खेल रही एक चार साल की मासूम बच्ची को एक वाहन ने कुचल दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। होली चौक के पास कुछ परिवार रहता है। छम्मन अपनी पत्नी बादल व बेटी गुड़िया (4) के साथ रहता है। मंगलवार को गुड़िया घर के पास खेल रही थी तभी एक वाहन ने उसे कुचल दिया और फरार हो गया। जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

APK फाइल भेज ₹6.34 लाख हड़पे

■ **NBT न्यूज, हापुड़ :** थाना हाफिजपुर क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति को साइबर ठगों ने एंड्रॉइड पैकेज किट (एपीके) फाइल भेजकर खाते से 6.34 लाख रुपए उड़ा दिए। हाफिजपुर क्षेत्र निवासी जितेंद्र सिंह ने बताया कि उनके फोन पर एक एपीके फाइल आई थी। यह फाइल अपने आप डाउनलोड हो गई, जिसके बाद उनका फोन काम करना बंद कर दिया था। दो बार में उनके खाते से कुल 6.34 लाख निकाल लिए।

शिफ्ट बसों का ₹50 तक बढ़ेगा किराया

■ **NBT रिपोर्ट, टीएचए :** कौशांबी डिपो पर जिस दिन पीपीपी मॉडल पर विकास कार्य शुरू होगा, उससे 15 दिन पहले ही वहां से लंबी दूरी के लिए चलने वाली बसों को आनंद विहार शिफ्ट कर दिया जाएगा। इन बसों के शिफ्ट होने पर बड़ी कीमत आनंद विहार डिपो में बसों की पार्किंग और दिल्ली में कमर्शल वाहनों के रूप में एंट्री फीस के रूप में चुकानी होगी। इसका बोझ पैसेंजर्स की जेब पर पड़ेगा। अब पैसेंजर्स की जेब पर 50 से 60 रुपये तक का अतिरिक्त किराये का बोझ पड़ सकता है।

हमारा पता

एनबीटी गाजियाबाद
13/1, साहिबाबाद
इंडस्ट्रियल एरिया, साइट-4
email: nbtreader
@timesofindia.com

मोबाइल पर पैसे कटने का आया मेसेज

घर में खड़ी कार का 3 माह से कट रहा है टोल

■ **NBT रिपोर्ट, टीएचए :** वैशाली में रहने वाले एक रिटायर्ड अधिकारी की गाड़ी का नंबर और फास्टैग क्लोन करने का मामला सामने आया है। जालसाज खुलेआम गाड़ी दौड़ा रहा है। वहीं, टोल कटने का मेसेज मोबाइल पर आ रहा है। 19 जनवरी को पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने इंदिरापुरम थाने में एफआईआर दर्ज की गई।

मूलरूप से जम्मू के रहने वाले रवि कुमार कौल इन दिनों रामप्रस्थ ग्रीन सेक्टर-7 वैशाली में रहते हैं। वह नेएचके से रिटायर्ड अधिकारी हैं। उनके मोबाइल पर 20 अक्टूबर को एक मेसेज आया, जिसमें कहा गया कि कानपुर के पास स्थित बारजोर टोल प्लाजा से उनकी गाड़ी गुजरी है और 160 रुपये का टोल कट गया है। 22 अक्टूबर को अनंतराम टोल प्लाजा से 110 रुपये कटने का आया। रवि कुमार कौल का कहना है कि उनकी होंडा सिटी कार उनके घर पर खड़ी है। इसके बावजूद उनके फास्टैग से टोल के रुपये कट रहे हैं। इस पर उन्होंने तत्काल एनएचएआई को मेल किया, वहां से जवाब मिला कि गलती से पैसे कट हो गए होंगे, वह इसको दिखवा रहे हैं। पीड़ित का कहना है कि जब समाधान नहीं हुआ, तो वह खुद ही दिल्ली में ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर के यहां चले गए। उन्होंने अपनी गाड़ी की फोटो और दूसरी गाड़ी की फोटो दिखाई, जिसके बाद मामूली अंतर देखने पर वह माने और गलती होने की बात स्वीकार की। वहां से उन्हें हरियाणा के फास्टैग के ऑफिस भेज दिया, लेकिन समाधान नहीं हुआ।

क्लोनिंग से ऐसे बचें

साइबर एक्सपर्ट पवन दुग्गल ने बताया कि क्लोन से बचने के लिए आपको कुछ जरूरी कदम उठाने होंगे।

■ नंबर प्लेट क्लोनिंग रोकने के लिए सोशल मीडिया पर प्लेट की फोटो डालने से बचें और अपनी प्लेटों की नियमित जांच करें।

■ फास्टैग यूजर के पास एक SMS आता है, जिसमें लिखा होता है कि आपका फास्टैग ब्लॉक हो गया है। ऐसे मेसेज के लिंक को क्लिक करने से बचें। इससे पर्सनल और बैंकिंग जानकारी लीक हो सकती है।

■ सर्च रिजल्ट में कई नकली हेल्पलाइन नंबर दिखते हैं। आप इन पर कॉल करते हैं और ठगी के शिकार हो जाते हैं।

■ वॉट्सऐप पर आपको कम रेट में फास्टैग देने का वादा किया जाता है, लेकिन वह पहले से एक्टिवेटेड होता है।

200 kg विस्फोटक जब्त, गिरफ्तार

■ **NBT न्यूज, हापुड़ :** पुलिस ने कुचेसर चौपला के फतेहपुर इलाके में एक अवैध पटाखा फैक्ट्री का भंडाफोड़ कर भारी मात्रा में प्रतिबंधित पटाखे और कच्चा माल बरामद किया। इसकी कीमत करीब पांच लाख रुपये आंकी जा रही है। मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार भी किया गया।

बाबूगढ़ क्षेत्र के कुचेसर चौपला के फतेहपुर क्षेत्र में एक मकान के भीतर अवैध रूप से पटाखों का निर्माण और भंडारण की सूचना मिली। इस पर टीम ने मकान के अंदर से बड़ी मात्रा में पटाखे, विस्फोटक सामग्री और उनके निर्माण में प्रयुक्त होने वाले उपकरण बरामद किए। पुलिस ने गाजियाबाद निवासी एक आरोपी नदीम को गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी मुनेश प्रताप सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी गाजियाबाद के गांव फर्रुखनगर, थाना टीला मोड़ निवासी नदीम अपने अन्य फरार साथियों के साथ मिलकर फतेहपुर कुचेसर चौपला स्थित राहुल के किराए के मकान में पटाखे तैयार कर आस-पास क्षेत्रों में सप्लाई कर कमाई कर रहा था। आरोपी से ढाई कुंतल ढाई कॉटन पाउडर बरामद किया, जिसे अत्यंत ज्वलनशील और विस्फोटक सामग्री माना जाता है। इसके साथ ही बड़ी संख्या में बने और अधबने कैंडल, कच्चा माल तथा निर्माण में प्रयुक्त उपकरण भी बरामद किए गए।

हापुड़ में एक्शन

■ अवैध रूप से चल रहे पटाखा फैक्ट्री का भंडाफोड़

■ पांच लाख रुपये का माल बरामद, एक आरोपी अरेस्ट

खाना बढ़िया नहीं है बोला तो काट दी पति की जीभ

ससुराल वालों का आरोप, अक्सर घर में होता था विवाद, घायल मेरठ रेफर

■**NBT न्यूज, मोदीनगर :** संजयपुरी कॉलोनी में खाना स्वादिष्ट न बनाने की शिकायत करने पर गुस्से में पत्नी ने पति की जीभ काट दी। बाद में कटी जीभ बिस्तर पर ही फेंक कर मायके चली गई। परिजनों का कहना है कि महिला शराब पीने की आदी है। इसी को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था। पीड़ित की मां ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी पत्नी और उसके माता-पिता को हिरासत में ले लिया।

संजयपुरी कॉलोनी निवासी विपिन कुमार एक फैक्ट्री में नौकरी करते हैं। उनकी शादी करीब छह माह पहले मलियाना फाटक, मेरठ निवासी ईशा से हुई थी। विपिन की मां का आरोप है कि उनकी बहू शराब और सिगरेट पीने की आदी है। वह अक्सर सोशल मीडिया पर विडियो बनाने में व्यस्त रहती थी। इसको लेकर घर में कलह रहती थी। परिजनों के अनुसार सोमवार को भी शराब पीने को लेकर दोनों में विवाद हुआ था। रात में पत्नी ने विपिन को खाना दिया। खाने के दौरान पति ने खाना स्वादिष्ट न होने की बात कही। इसको लेकर दोनों में फिर से विवाद हो गया। कुछ देर बाद विपिन तो सो गया जबकि पत्नी जागती रही। रात करीब एक बजे महिला ने पति का मुंह खोलकर अपने दांतों से उसकी जीभ काट ली। जीभ कटने से लहूलुहान हालत में वह दूसरे कमरे में पहुंचा, जहां परिजन सो रहे थे। परिजन उसे स्थानीय अस्पताल ले गए, जहां से गंभीर हालत को देखते हुए उसे मेरठ रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी महिला फरार हो चुकी थी। हालांकि सवेरे वह दुबारा घर आ गई। आरोप है कि उसने सास के साथ भी मारपीट की।

एसीपी मोदीनगर अमित सक्सेना ने बताया कि घायल विपिन की मां गीता देवी की तहरीर पर आरोपी महिला के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी सहित तीन लोगों को हिरासत में लिया गया।

'पति पर करता था मारपीट'

पुलिस हिरासत में मौजूद आरोपी महिला का कहना है कि पति अक्सर उसके साथ मारपीट करता था। खाने में हमेशा कमियां निकालता था। सोमवार को भी विपिन ने खाने को लेकर महिला के साथ मारपीट की थी। रोज-रोज की मारपीट के चलते उसे गुस्सा आ गया था।

हरनंदीपुरम: स्पेशल टास्क फोर्स बनी

■ **NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद:** GDA ने हरनंदीपुरम योजना के लिए स्पेशल टास्क फोर्स (STF) गठन किया है। इसका मकसद जमीन जुटाने की प्रक्रिया को आसान बनाना और समय पर योजना का काम पूरा करना है। जीडीए के वीसी नंद किशोर कलाल ने आदेश जारी किया है। इस टास्क फोर्स की जिम्मेदारी है कि अगले 3 महीनों के भीतर योजना के पहले चरण को लॉन्च करने की जमीन तैयार करे। जीडीए सचिव विवेक कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में 8 अधिकारियों की एक टीम बनाई गई है। यह टीम न केवल जमीन जुटाने का काम देखेगी, बल्कि हर हफ्ते मीटिंग कर प्रोजेक्ट की प्रगति की समीक्षा भी करेगी। प्राधिकरण का लक्ष्य है कि 2 महीनों में कंसल्टेंट के साथ मिलकर सभी बाधाएं दूर कर ली जाएं। इस फोर्स के बनने से उम्मीद जताई जा रही है कि योजना का काम तेज गति से आगे बढ़ेगा।

CCI NG 3.7 Product: DelhiMasalamixBS PubDate: 21-01-2026 Zone: TIMSGhaziabad Edition: 1 Page: HDGZPG2 User: cci Time: 01-20-2026 23:20 Color:

फटाफट खबरें

काशी मसले पर AAP ने किया प्रदर्शन

■ NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद : वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर प्राचीन मंदिरों को तोड़े जाने के विरोध में आम आदमी पार्टी (आप) ने मंगलवार को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। आप कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर इसे हिंदू आस्था और सनातन संस्कृति पर सीधा हमला करार दिया। जिलाध्यक्ष निमित यादव ने कहा कि मणिकर्णिका घाट करोड़ों हिंदुओं की आस्था का केंद्र है। वहां के प्राचीन मंदिरों को इस तरह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि मणिकर्णिका घाट पर तोड़े गए मंदिरों का तुरंत पुनर्निर्माण कराया जाए। इस कार्रवाई के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त एक्शन लिया जाए। शैलेश कुमार, विजय शर्मा, रवि सिसोदिया और मनोज समेत भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रेलवे के विशेष बैंड ने गाया वंदेमातरम

■ NBT न्यूज, गाजियाबाद : रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को देशभक्ति का अद्भुत माहौल देखने को मिला। वंदे मातरम गीत के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर रेलवे सुरक्षा बल की ओर से प्लेटफॉर्म-3 और 4 पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रेलवे सुरक्षा बल के विशेष बैंड ने वंदे मातरम सहित कई देशभक्ति गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। जैसे ही बैंड ने अपनी धुन छेड़ी, प्लेटफॉर्म पर मौजूद यात्रियों की भीड़ उमड़ पड़ी। यात्रियों ने पूरे उत्साह के साथ तालियां बजाकर उत्साह बढ़ाया। देशभक्ति की गूंज से स्टेशन का माहौल पूरी तरह राष्ट्रप्रेम के रंग में रंग गया।

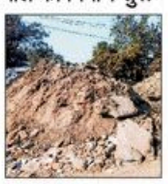

इंडस्ट्रियल एरिया में नाले का निर्माण शुरू

■ NBT रिपोर्ट, टीएचए : उत्तर प्रदेश स्टेट इंडस्ट्रियल डिवेलपमेंट अथॉरिटी (यूपीसीडा) की तरफ से साहिबाबाद इंडस्ट्रियल एरिया में जर्जर नालों की मरम्मत का काम शुरू हो गया है। करीब 63 किलोमीटर लंबी नालियों की मरम्मत की जानी है। इसमें 57 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस पूरे प्रोजेक्ट से पहले नाले का सर्वे आईआईटी मुंबई की तरफ से किया गया है। हालांकि इस निर्माण के कारण सड़क के एक तरफ ट्रैफिक रहता है। मिट्टी नाली की सिल्ट और मिट्टी होने से राहगीरों को काफी समस्या हो रही है। यह काम कौशांबी से वसुंधरा की तरफ जाने वाली लेन से शुरू किया गया है। वहीं, यूपीसीडा के डीजीएम आरएस यादव ने बताया कि जब तक काम होगा लोगों को थोड़ी परेशानी होगी। इसलिए अलग-अलग लेन से काम शुरू किया जा रहा है।

SIR में 'लापता' हुए वोटर्स को तलाशने में मदद करेंगे संगठन

ADM ने बैठक कर विभिन्न संस्थाओं से आगे आने की अपील की

■ NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद

एडीएम और उप जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में बड़ी बैठक हुई

- पिछले रविवार को राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने खुद जिले का दौरा कर कई अहम निर्देश दिए थे
- प्रशासन ने सभी संगठनों के प्रतिनिधियों से अपील की है कि वे अपने यहां काम करने वाले ऐसे सभी कर्मचारियों और मजदूरों से फॉर्म-6 भरवाएं

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के दौरान बड़ी संख्या में वोटरों के नाम कटने के बाद अब तमाम आला अधिकारी से लेकर बूथ लेवल अधिकारी तक एक्टिव हो चुके हैं। पिछले रविवार को खुद राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जिले का दौरा कर कई अहम निर्देश दिए थे। इसमें कर्मचारियों से लेकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मदद लेकर वोटर लिस्ट अपडेट कराने का आदेश दिया था। इसी क्रम में वोटर लिस्ट को दुरुस्त करने और नए वोटरों के नाम जोड़ने की कवायद ने अब रफ्तार पकड़ ली है। जिलाधिकारी के निर्देश पर एडीएम और उप जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ भट्ट की अध्यक्षता में मंगलवार को एक बड़ी बैठक हुई। इसमें शहर के अलग-अलग संगठनों जैसे ट्रांसपोर्ट और बार असोसिएशन, व्यापार मंडल, आईएमए, नर्सिंग स्टाफ संघ, सिविल डिफेंस, मीडिया असोसिएशन और आरडब्ल्यूए/एओए के प्रतिनिधि शामिल रहे। इस दौरान एडीएम सौरभ भट्ट ने बताया कि वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने व सुधारने (दावे और आपत्तियां) के लिए 6 फरवरी तक का समय तय किया गया है। एक बड़ा शहरी इलाका है, जहां बाहर से आकर काम करने वाले कर्मचारियों और मजदूरों की संख्या बहुत ज्यादा है। अक्सर ऐसा होता है कि एक जगह से दूसरी जगह शिफ्ट होने के चक्कर में इन लोगों के नाम वोटर लिस्ट में नहीं आ पाते। प्रशासन ने सभी संगठनों के प्रतिनिधियों से अपील की है कि वे अपने यहां काम करने वाले ऐसे सभी कर्मचारियों और मजदूरों से फॉर्म-6 भरवाएं और उसे संबंधित बीएलओ या ईआरओ के पास जमा करा दें। लोग ऑनलाइन पोर्टल (voters.eci.gov.in) के जरिए भी नाम जुड़वा सकते हैं।

खसरे के 3 केस आने के बाद 200 बच्चों का टीकाकरण

मंगलवार को अंकुर विहार में पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम

■ NBT न्यूज, गाजियाबाद

स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश के बाद गाजियाबाद में खसरा नियंत्रण को लेकर विशेष अभियान चलाया। सीएमओ डॉ. अखिलेश मोहन ने बताया कि मंगलवार को लोनी क्षेत्र के अंकुर विहार में 200 बच्चों का खसरा का टीकाकरण किया गया। अभियान का उद्देश्य खसरा के प्रसार को रोकना है। सीएमओ ने बताया कि सोमवार को लोनी के अमित विहार और राहुल गार्डन क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य विभाग की टीम ने करीब 200 बच्चों की जांच की, जिसमें तीन बच्चे खसरा से ग्रसित मिले थे। बच्चों में खसरा की पुष्टि होने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी। सीएमओ ने सीएससी लोनी में तैनात डॉक्टर नवनीत को हटाकर उनकी जगह डॉक्टर राहुल गुप्ता को तैनात किया है। विभाग की टीम घर-घर जाकर बच्चों की जांच कर रही है। टीकाकरण से वंचित बच्चों को टीके लगाए जा रहे हैं।

अलकनंदा टावर में गिरा फ्लैट की छत का प्लास्टर, बड़ा हादसा टला

■ NBT रिपोर्ट, वैशाली

> नगर निगम इस सोसायटी को वर्ष 2010-2011 में ही आरडब्ल्यूए को हैंड ओवर कर चुका है। ऐसे में अब इस सोसायटी के रखरखाव की पूरी जिम्मेदारी आरडब्ल्यूए के ऊपर है।
> – आलोक रंजन, इग्जेक्युटिव इंजीनियर, जीडीए

सेक्टर-4 स्थित अलकनंदा टावर में सोमवार को दूसरी मंजिल के एक फ्लैट की छत का प्लास्टर अचानक गिरने से हड़कंप मच गया। गनीमत रही कि हादसे के वक्त वहां कोई मौजूद नहीं था, जिससे किसी को कोई चोट नहीं आई। हालांकि, इस घटना ने एक बार फिर इमारत की जर्जर हालत को उजागर कर दिया है। घटना के बाद टावर के निवासियों में गहरा आक्रोश देखने को मिला। लोगों का कहना है कि बिल्डिंग की हालत लंबे समय से खराब है और कई बार संबंधित विभागों को इसकी शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। छत से प्लास्टर गिरने की यह घटना भविष्य में बड़े हादसे की चेतावनी मानी जा रही है।

रेजिडेंट अमित और धर्म सिंह ने बताया कि वर्ष 2019 में अलकनंदा टावर को लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (GDA) के खिलाफ याचिका दायर की गई थी, जिसमें भवन की संरचनात्मक सुरक्षा और मरम्मत का मुद्दा उठाया गया था। यह मामला अब भी न्यायालय में लंबित है और इस दौरान बिल्डिंग की हालत और खराब होती जा रही है। मालूम हो कि 9 मंजिल की सोसायटी में कुल 72 फ्लैट हैं, जिसमें खराब हालत के चलते अब केवल 20 परिवार रहते हैं। निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि टावर की तत्काल आवश्यक मरम्मत और सुरक्षा उपाय जल्द से जल्द किए जाएं, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

ठंड से मिली राहत, पर बढ़ गया रात का पारा

■ NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद : मौसम का मिजाज एक बार फिर बदल गया है। पिछले 24 घंटों के दौरान लोगों को कड़ाके की ठंड से राहत मिली है, लेकिन मौसम विभाग की मानें तो पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से 48 घंटों में तापमान में हल्की गिरावट आने की संभावना है। हालांकि कोहरा कम रहेगा। बीते एक दिन की बात करें तो न्यूनतम तापमान में अचानक 4 से 6 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। अचानक ठंड के कमजोर पड़ने की मुख्य वजह हवा की दिशा में बदलाव को माना जा रहा है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान में भी सुधार देखा गया। हालांकि, प्रदूषण अभी भी चिंता का विषय बना हुआ है और वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 393 के स्तर पर पहुंच गया है, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है।

धर्म बदलकर यौन शोषण का आरोप

■ NBT रिपोर्ट, टीएचए : साहिबाबाद निवासी एक महिला को एक युवक ने धर्म और नाम बदल प्रेमजाल में फंसा लिया और एक साल तक सेक्सुअल असॉल्ट करता रहा। विरोध करने पर आरोपी ने युवती का निजी विडियो वायरल करने की धमकी दी। आरोपी की हरकतों से परेशान महिला ने परिजन को घटना के बारे में बताया और फिर 19 जनवरी को थाने में शिकायत देकर केस दर्ज कराया। इसके बाद आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है। पीड़िता ने बताया कि काम पर आने-जाने समय उसकी मुलाकात आरोपी से हुई थी। उसने अपना नाम मोहित बताया था। धीरे-धीरे से दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ती गईं। इसके बाद एक वर्ष तक आरोपी ने उसके साथ सेक्सुअल असॉल्ट किया। जब उसे असलियत पता चली तो आरोपी ने अश्लील विडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी। आरोपी ने पहले साथियों से और फिर पीड़िता की बेटी से संबंध स्थापित कराने का दबाव बनाया।

एनएचएआई के पूर्व GM के खिलाफ समन जारी

■ NBT न्यूज, आरडीसी

विशेष ईडी कोर्ट ने एनएचएआई के पूर्व जीएम सूरज प्रकाश और उनके परिजनों के खिलाफ धन शोधन के मामले में संज्ञान लेते हुए समन जारी किया है। विशेष न्यायाधीश आनंद प्रकाश सिंह ने आरोपियों को तीन फरवरी को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है।

मामला वर्ष 2009 से 2022 के कार्यकाल से जुड़ा है, जिसमें सूरज प्रकाश पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप हैं। जांच में सामने आया कि सूरज प्रकाश, उनकी पत्नी ईशा गुप्ता, बेटे शशांक सिंघल और बेटी श्रेया सिंघल ने मिलकर अवैध धन को विभिन्न वित्तीय साधनों और संपत्तियों में निवेश किया। जांच के अनुसार, कार्यकाल की शुरुआत में उनकी कुल संपत्ति करीब 33 लाख रुपये थी, जो 2022 तक बढ़कर 8.35 करोड़ रुपये से अधिक हो गई। यह वृद्धि उनकी ज्ञात वैध आय से लगभग 156 प्रतिशत अधिक बताई गई है। ईडी ने यह भी पाया कि परिवार ने वैध आय से करीब 6.80 करोड़ रुपये अधिक खर्च या निवेश किया।

युवक की मौत मामले में एफआईआर के आदेश : युवक की मौत के मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट गाजियाबाद ने थाना कविनगर पुलिस को मुकदमा दर्ज कर विवेचना के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने धारा 173(4) बीएनएसएस के तहत दाखिल प्रार्थना पत्र स्वीकार करते हुए कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से प्रथम दृष्टया गंभीर संज्ञेय अपराध बनता है। वादी रानेंद्र शर्मा ने बताया कि पुत्र बिंदु कुमार का कंपनी मालिक सुबोध गुप्ता व उसके गांव के रहने वाले नंदू प्रजापति, पिंटू, सुमेर, बंटी, मुन्नी, रवी, मुकेश प्रजापति समेत अन्य लोगों से विवाद चल रहा था। वादी के अनुसार 17 जुलाई 2024 को कंपनी मालिक ने पुत्र को फोन कर कंपनी बुलाया। अगले दिन 18 जुलाई को उन्हें सूचना मिली कि कविनगर औद्योगिक क्षेत्र स्थित रेलवे ट्रैक पर पुत्र की ट्रेन से कटकर मौत हो गई है। वादी का आरोप है कि बेटे की हत्या की गई है। घटना की सूचना थाना स्तर पर देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। कोर्ट ने पत्रावली के अवलोकन के बाद कहा कि मामले की वास्तविक स्थिति विवेचना से ही स्पष्ट हो सकती है।

25 साल पुराने मारपीट मामले में आरोपी बरी

■ NBT, न्यूज, आरडीसी : कोतवाली थाना क्षेत्र में 25 साल पुराने मारपीट और धमकी के मामले में कोर्ट ने आरोपी इरफान उर्फ भगत को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। यह आदेश अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, कोर्ट संख्या-1 नेहा बनौधिया ने सुनाया। कोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार, शौकत कुरैशी ने वर्ष 2000 में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप था कि 28 अगस्त 2000 की रात आरोपी ने रास्ते में मारपीट की और बाद में हथियार लेकर घर में घुसकर हमला किया तथा जान से मारने की धमकी दी थी।

बाइक की टक्कर डॉक्टर घायल

■ NBT न्यूज, मोदीनगर : दिल्ली-मेरठ मार्ग पर बाइक की टक्कर से स्कूटी सवार डॉक्टर घायल हो गया। किदवईनगर कॉलोनी निवासी सईद अहमद चिकित्सक हैं। उन्होंने बताया कि सोमवार को स्कूटी से जा रहे थे। अंबर सिनेमा के पास बाइक ने स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में सईद गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया।

हापुड़ के थाना धौलाना क्षेत्र के यूपीएसआईडीसी क्षेत्र में कोहरे के कारण डंपर डिवाइडर पर चढ़ गया। हादसे में ड्राइवर बाल-बाल बच गया। पुलिस ने बताया कि कोहरे के कारण डंपर चालक को डिवाइडर दिखाई नहीं दिया और वाहन उस पर चढ़ गया था, कोई हानि नहीं हुई।

शेयर ट्रेडिंग और टास्क पूरा करने का झांसा देकर ₹19 लाख हड़पे

■ NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद

साइबर ठगी

■ दोनों पीड़ितों ने साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कराया

साइबर ठगों ने शेयर ट्रेडिंग और टास्क पूरा कर कमाई कराने का झांसा देकर दो लोगों से 19 लाख रुपये ठग लिए। शातिरों ने अलग-अलग कई खातों में रकम ट्रांसफर कराई। रकम वापस नहीं मिली तो दोनों पीड़ितों ने साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कराया है।

वैशाली ब्लॉक निवासी प्रदीप सोलंकी ने बताया कि व्हाट्सऐप ग्रुप में जोड़ा गया, जहां वेल्थ एलायंस का संस्थापक बताने वाले शख्स ने शेयर ट्रेडिंग और आईपीओ में मुनाफा दिलाने का दावा किया। बाद में एक महिला ने फर्जी ट्रेडिंग और आईपीओ ऐप डाउनलोड कराए। ऐप पर मुनाफा दिखाकर छह से आठ जनवरी के बीच 9.50 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। शुरुआत में एक हजार रुपये निकालने की अनुमति देकर भरोसा दिलाया। बाद में और रकम मांगने लगी। रकम वापस नहीं मिली, तो ठगी का अहसास हुआ।

मुरादनगर के ग्राम सुराना निवासी तुषार यादव ने शिकायत में बताया कि उनके पास एक अनजान नंबर से कॉल आई। कॉलर ने कैशबैक और ऑनलाइन टास्क के जरिए मुनाफा दिलाने का लालच दिया। शातिर ने अलग-अलग खातों और यूपीआई आईडी पर रुपये ट्रांसफर कराए। उन्होंने अपने और पिता के खातों से नवंबर और दिसंबर 2025 के बीच कई बार यूपीआई और आईएमपीएस के जरिए रकम ट्रांसफर की। उनसे 9.30 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। उन्हें केवल 20 हजार रुपये ही वापस किए गए थे। एडीसीपी क्राइम पीयूष सिंह ने बताया कि ठगी गई रकम को फ्रीज कराने का प्रयास किया जा रहा है।

संभव जनसुनवाई में निर्माण विभाग की ज्यादा शिकायतें

■ NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद

नगर निगम मुख्यालय में आयोजित संभव जनसुनवाई कार्यक्रम में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान कुल 23 संदर्भ प्राप्त हुए। प्राप्त संदर्भों में निर्माण विभाग से 8, स्वास्थ्य विभाग से 5, उद्यान विभाग से 3, पार्किंग से 3, पशु चिकित्सा विभाग से 2, अतिक्रमण से 1 और नजारत विभाग से 1 मामला शामिल रहा। नगर आयुक्त ने कहा कि संभव में आने वाली शिकायतों का त्वरित और प्रभावी निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। संभव के दौरान पार्षदों ने भी नगर आयुक्त के साथ शहर के विकास कार्यों को लेकर चर्चा की। सामाजिक संस्थाओं ने भी शहर में चल रहे कार्यों और सुझावों को रखा। जनसुनवाई में अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव, अवनींद्र कुमार, मुख्य अभियंता नरेंद्र कुमार चौधरी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश सहित अन्य मौजूद रहे।

23 को सोसायटियों में गूंजेंगे विद्या और संगीत के स्वर

■ NBT रिपोर्ट, टीएचए/गाजियाबाद

> बसंत पंचमी के पावन अवसर पर भव्य सरस्वती पूजन का आयोजन किया जाएगा

विद्या, बुद्धि और कला की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती के पूजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह चरम पर है। इस वर्ष 23 जनवरी को बसंत पंचमी के पावन अवसर पर भव्य सरस्वती पूजन का आयोजन किया जाएगा। आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। वहीं, बंगाली समाज के लोगों ने भी पूजा की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

इसी क्रम में शिप्रा रिवेरा सोसायटी में भी यह आयोजन दुर्गा पूजा समिति की तरफ से किया जा रहा है। समिति के सदस्यों ने मिलकर आयोजन को यादगार बनाने की तैयारी की है। इस दौरान सुबह 9 बजे पूजा अर्चना की जाएगी। शाम 4 बजे महिला मंडली की तरफ से भजन कीर्तन कार्यक्रम किया जाएगा। शाम को आरती होगी। 24 जनवरी को सुबह हवन पूजन के बाद भंडारा कार्यक्रम और शाम को मूर्ति विसर्जन कार्यक्रम किया जाएगा।

आयोजकों का कहना है कि सरस्वती पूजन केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और शिक्षा के महत्व से जोड़ने का माध्यम भी है। वसुंधरा सेक्टर-4 में स्थित नेता जी सुभाष चंद्र बोस पार्क में शुक्रवार को पूर्वांचल सांस्कृतिक विकास समिति की तरफ से 10वां मां सरस्वती पूजा समारोह का आयोजन किया जा रहा है। अभिषेक पूजन से कार्यक्रम का शुभारम्भ होगा। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम और भजन संध्या होगी।

मेडिकल उपकरण बनाने वाली फैक्ट्री में आग, 7 टेंडर्स बुलाए

■ NBT रिपोर्ट, टीएचए

साहिबाबाद थाना क्षेत्र में मेडिकल उपकरण बनाने की फैक्ट्री में मंगलवार शाम को भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की तरफ से 7 फायर टेंडर मौके पर भेजे गए। इसके अलावा पुलिस और दमकल विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। समाचार लिखे जाने तक आग पर काबू पाने का प्रयास जारी था। मौके पर अन्य फायर टेंडर भी बुलाए जा रहे थे।

मोहन नगर थानाक्षेत्र के लोनी रोड स्थित हर्ष कंपाउंड औद्योगिक क्षेत्र में संचालित एमएस मेडिकल सिस्टम नामक फैक्ट्री में मंगलवार शाम आग धधक उठी। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने जब आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठती देखीं तब आग का पता चला। फैक्ट्री में भयंकर आग लगते ही अफरा-तफरी और भगदड़ मच गई। फैक्ट्री में आग लगने की सूचना सुरक्षाकर्मियों ने दमकल विभाग को दी। इसके साथ ही खुद भी आग बुझाने के प्रयास शुरू किए, लेकिन आग की उठती लपटों के आगे उनकी ओर से आग बुझाने के प्रयास नाकाफी साबित हुए। कंपनी में आग लगने की सूचना मिलते ही फायर स्टेशन साहिबाबाद, फायर स्टेशन वैशाली, फायर स्टेशन कोतवाली व फायर स्टेशन लोनी से दमकल की 7 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि मौके पर अलग-अलग फायर स्टेशन से सात वाटर टेंडर भेजे गए हैं। दमकल की टीमें आग बुझाने का काम शुरू कर चुकी हैं। जल्द ही आग पर काबू पा लिया जाएगा। हालांकि समाचार लिखे जाने तक आग पर काबू पाने का प्रयास जारी था। आग बुझाने के बाद ही आग लगने के कारणों का और आग से हुए नुकसान का पता चल सकेगा।

22 से सांसद खेल प्रतियोगिता शुरू, 8 इवेंट शामिल होंगे

■ NBT न्यूज, जीटी रोड : महामाया स्टेडियम में 22-23 जनवरी को सांसद खेल स्पर्धा के तहत बालक-बालिकाओं व पुरुष-महिलाओं की प्रतियोगिताएं होंगी। इनमें एथलेटिक्स, कबड्डी, कुश्ती, वालीबॉल, फुटबॉल, वालीबॉल, जूडो व बैडमिंटन के खेल शामिल हैं। प्रतियोगिताओं के विजेताओं का पता लगाने के लिए पहली बार फोटो फिनिश कम्प्यूटराइज्ड का प्रयोग किया जाएगा। जिला क्रीड़ाधिकारी अभिषेक कुमार ने बताया कि इस दौरान बालक-बालिकाओं का चयन जोन टीम के लिए भी किया जाएगा। साथ ही अंडर-16 एथलेटिक्स की टैलेंट सर्च प्रतियोगिता का आयोजन भी होगा।

> अंडर-16 एथलेटिक्स की टैलेंट सर्च प्रतियोगिता भी होगी

श्रीकृष्ण-बलराम शोभायात्रा निकाली, भक्तों ने क्रेन से छप्पन भोग चढ़ाए

■ NBT रिपोर्ट, सिद्धार्थ विहार

> कृष्ण-बलराम को विंटेज कार में भव्य रूप से भ्रमण कराया गया

इस्कॉन गाजियाबाद मंदिर की ओर से रविवार को आयोजित भव्य श्री श्री कृष्ण बलराम शोभा यात्रा श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस ऐतिहासिक शोभा यात्रा में 2 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर पूरे क्षेत्र को कृष्णामय बना दिया। शोभा यात्रा की शुरुआत एवेन्यू सोसायटी से हुई, जो प्रतीक ग्रैंड सिटी, गौड़ सिद्धार्थम, लीलावती, सम्राट चौक से होते हुए विजय नगर पहुंची और पुनः लीलावती में समापन हुआ। पूरे मार्ग में हरे कृष्ण हरे राम की मधुर धुनों पर श्रद्धालु भक्ति में सराबोर नजर आए। यात्रा के स्वागत में जगह-जगह 56 भोग, पुष्प वर्षा, रंगोलियां और भव्य स्टॉल लगाए गए। गौड़ सिद्धार्थम सोसायटी के भक्तों ने क्रेन के माध्यम से भगवान को छप्पन भोग अर्पित कर विशेष आकर्षण पैदा किया। वहीं, एवेन्यू सोसायटी में भगवान श्री कृष्ण बलराम को विंटेज कार में भव्य रूप से भ्रमण कराया गया। राधा वल्लभ टीम की ओर से 56 भोग तथा विजय नगर में भी श्रद्धालुओं ने छप्पन भोग अर्पित किए।

कार्यक्रम | कार्यक्रम में उत्तराखंड की समृद्ध लोकसंस्कृति, धार्मिक आस्था एवं आपसी भाईचारे की झलक देखने को मिली

उत्तरैणी पर्व ने फैलाई उत्तराखंडी संस्कृति की सुगंध

■ NBT रिपोर्ट, सिद्धार्थ विहार

> सोसायटी के 100 से अधिक परिवारों ने भाग लिया

देवभूमि उत्तराखंड का खुशनुमा माहौल, मां नंदा देवी की डोली और उत्तराखंड ढोल दमाऊ वाद्य यंत्रों की धुन में झूमते समाज के लोग, ये नजारा संगम गौड़ सिद्धार्थम सोसायटी में आयोजित देवभूमि उत्तराखंड के पारंपरिक उत्तरायणी पर्व के दौरान देखने को मिला।

इस आयोजन में सोसायटी के 100 से अधिक उत्तराखंडी परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के माध्यम से उत्तराखंड की समृद्ध लोकसंस्कृति, धार्मिक आस्था एवं आपसी भाईचारे की सुंदर झलक देखने को मिली। इस भव्य कार्यक्रम के सफल और सुचारु आयोजन में समाज के अनेक सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम को सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने में विशेष रूप से पृथ्वी, घनश्याम, राकेश, पुष्कर, गणेश जोशी, नवीन जोशी, मुकुल, ईंदर, अमित डोभी, हेम तिवारी, एलएम जोशी, विवेक ध्यानी, चंद्र बिष्ट, दीपक कांडपाल, अनिल रावत, मन्नू, दीपक रावत, मनोज जोशी आदि का सहयोग रहा।

ऑरेंज काउंटी में पहाड़ी लोक संस्कृति की गूंज

■ NBT रिपोर्ट, इंदिरापुरम : त्योहारों के लिबास में खुशियां और सौहार्द जब आते हैं, तो वातावरण में एक नई ऊर्जा का संचार होता है। ऑरेंज काउंटी सोसायटी में उत्तरायणी और घुघुती पर्व के अवसर पर कुछ ऐसा ही वातावरण देखने को मिला। सोसायटी के लगभग 40 परिवारों ने सहभागिता की, जिनमें 20 से अधिक उत्तराखंडी परिवार शामिल रहे। सोसायटी परिसर में पहाड़ी लोक धुनों के बीच ढोल-दमाऊ, रणसिंघा, नगाड़ा और पारंपरिक छोलिया नृत्य के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी आयु वर्ग के लोगों ने पारंपरिक वाद्य यंत्रों और लोकनृत्य के साथ उत्सव का आनंद लिया।

CCI NG 3.7 Product: DelhiMasalamixBS PubDate: 21-01-2026 Zone: TIMSGhaziabad Edition: 1 Page: HDGZPG3 User: cci Time: 01-20-2026 23:28 Color:

91 घंटे बाद निकाली कार, बिल्डर अरेस्ट

सर्च ऑपरेशन के दौरान मौके पर केवल एसीपी स्तर के अधिकारी ही मौजूद दिखे

■ NBT रिपोर्ट, नोएडा

नोएडा के सेक्टर-150 में बेसमेंट के गड्ढे में भरे सीवर के पानी में डूबने से इंजीनियर की मौत मामले में मंगलवार को एक्शन भरा दिन रहा। आरोपी बिल्डर को मंगलवार सुबह पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। दोपहर में जांच करने के लिए एसआईटी भी पहुंच गई और शाम को सात बजे एनडीआरएफ की टीम ने डूबी हुई कार को तलाश कर निकाल लिया। घटना के 91 घंटे बाद ये कार निकाली गई।

16 जनवरी की रात इंजीनियर युवराज मेहता कार सहित सेक्टर-150 में कोहरे के बीच बेसमेंट के लिए खुदे गड्ढे में गिर गए थे। बचाव के लिए पर्याप्त समय होने के बावजूद पुलिस, फायर विभाग और एसडीआरएफ की टीम उन्हें बचा नहीं सकी थी। युवराज के पिता ने बिल्डर पर केस दर्ज कराया था। पुलिस ने मंगलवार सुबह आरोपी एमजेड विज़टाउन प्लानर्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर अभय कुमार को सेक्टर-150 नोएडा से गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली के कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज निवासी अभय पर गैर इरादतन हत्या और लापरवाही से किसी की मौत के कारण बनने के आरोप हैं।

सनरूफ और फ्रंट शीशा टूटा हुआ मिला

सर्च ऑपरेशन के बाद कार को पानी से निकला गया तो उसका सनरूफ और फ्रंट का शीशा टूटा हुआ था। आशंकाएं लगाई जा रही हैं कि युवराज सनरूफ तोड़कर कार की छत पर जा बैठे थे।

दोपहर में जांच करने के लिए एसआईटी भी मौके पर पहुंची और शाम 7 बजे NDRF ने कार निकाली

16 जनवरी की रात में युवराज मेहता अपनी कार समेत गहरे खुदे गड्ढे में गिर गए थे, हो गई थी मौत

नोएडा-सेक्टर 150
हादसा

नाले से करीब 30 मीटर दूर डूबी कार

सर्च अभियान के दौरान एक सिविल इंजीनियर ने बताया कि जिस कार की तलाश की जा रही थी, वह नाले से करीब 30 मीटर दूर पानी में डूबी मिली, जहां उसे एनडीआरएफ की टीम ढूंढ रही थी। हालांकि, मौके पर मौजूद टीमों के बीच भी लोकेशन को लेकर स्पष्टता नजर नहीं आई। इसी असमंजस का नतीजा यह रहा कि पूरे वक्त सर्च ऑपरेशन कई बार दिशा बदलता दिखा।

12 बजे SIT नोएडा अथॉरिटी पहुंची

दोपहर करीब 12 बजे स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) नोएडा अथॉरिटी पहुंची। यहां टीम ने अधिकारियों से अब तक स्पॉट पर न जाने को लेकर नाराजगी जाहिर की। डीएम मेधा रूपम व पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह की मौजूदगी में मृतक के पिता राजकुमार मेहता के बयान भी दर्ज किए गए। एडीजी भानु भास्कर ने मीडिया से कहा कि पांच दिन में उनकी अध्यक्षता में गठित टीम को अपनी रिपोर्ट सौंपनी है। पुलिस, अथॉरिटी, फायर या अन्य एजेंसी में जो भी दोषी होंगे, उनके बारे में रिपोर्ट में बताया जाएगा। किसकी गलती से हादसा हुआ और क्या और कर सकते थे, इस पर विस्तृत रिपोर्ट दी जाएगी। वहीं, दोपहर करीब साढ़े तीन बजे एसआईटी की टीम घटनास्थल पर पहुंची। यहां साइट को देखा।

30 से ज्यादा बार पानी में उतरे जवान

एनडीआरएफ के दो जवान ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ 30 से अधिक बार गंदे पानी में उतरे। गंदा पानी, शून्य के करीब विजिबिलिटी और दलदल सर्च ऑपरेशन में सबसे बड़ी बाधा बनकर सामने आए। अधिकारियों का कहना है कि कार गिरने के बाद दलदल के भीतर धंस गई है, जिसकी वजह से उसका पता लगाना मुश्किल हो रहा था। घंटों की मशक्कत के बावजूद टीम को सफलता मिली। वहीं अभी युवराज का मोबाइल फोन, लैपटॉप और पर्स का तलाश नहीं जा सका है।

मुनेंद्र व उसके परिवार ने पुलिस पर लगाए आरोप

सीनियर अधिकारियों के मौके पर पहुंचने की सूचना पर मुनेंद्र और उनके परिवार के लोग भी मौके पर पहुंचे। मुनेंद्र ने कहा है कि पुलिस उन पर मीडिया में बयान न देने को लेकर प्रेशर बना रही है। उनके परिवार ने कहा कि पुलिस की ओर से कुछ लोग उनके घर जाकर मुनेंद्र से कुछ दिनों के लिए बाहर जाने को बोल रहे हैं। एनकाउंटर की धमकी दी जा रही है, लेकिन वे डरेंगे नहीं। अगर इंजिनियर को बचाने में उनके बेटे की जान भी चली जाती तो भी गम न होता, लेकिन अब अपनी जान को खतरे में डाल कर उसे बचाने के लिए गंदे व गहरे पानी में उतरे मुनेंद्र को ही परेशान किया जा रहा है।

- रेस्पॉन्स टाइम दावों में नंबर-2, पर रेस्क्यू के वक्त न क्रेन थी, न प्लान, पेज : 3

अथॉरिटी के बोर्ड रूम में घटना से जुड़े पहलुओं की जांच, डीएम व सीपी भी थीं

NBT रिपोर्ट, नोएडा: सेक्टर-150 की घटना की जांच के लिए बनी एसआईटी मंगलवार को नोएडा अथॉरिटी पहुंची। करीब सवा 12 बजे तक एसआईटी की टीम ने अथॉरिटी के बोर्ड रूम में घटना से संबंधित सभी पहलुओं की जांच की। इस दौरान नोएडा अथॉरिटी के अधिकारियों के अलावा डीएम मेधा रूपम व पुलिस कमिश्नर भी मौजूद रहीं। 3 बजे पूरा काफिला सेक्टर-150 घटना स्पॉट के लिए रवाना हो गया। इसके बाद 5 बजे फिर से एसआईटी की टीम नोएडा अथॉरिटी वापस आ गई और देर शाम तक जांच चलती रही।

वहीं, सेक्टर-150 की घटना के बाद नोएडा अथॉरिटी के सीईओ हटने के बाद नोएडा अथॉरिटी में खलबली का माहौल है। अथॉरिटी के ग्रुप हाउसिंग व प्लानिंग विभाग से लेकर नोएडा ट्रैफिक सेल विभाग सबसे ज्यादा निशाने पर है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एसआईटी की टीम ने संबंधित प्लॉट के बारे में अथॉरिटी के अधिकारियों व बिल्डर से पूछा कि कब से प्लॉट में पानी भर रहा था। घटना के बाद अथॉरिटी के कौन कौन अधिकारी मौके पर गए। ट्रैफिक सेल विभाग ने अब तक वहां पर क्या किया। एक सप्ताह पहले नाले की दीवार में ट्रक धसने की घटना अथॉरिटी के संज्ञान में थी या नहीं थी। इसके अलावा भी कई तरह के सवाल अथॉरिटी के संबंधित विभागों के अधिकारियों व संबंधित जिम्मेदारी से पूछे गए।

पुलिस पर एक्शन न होने बोले एडीजी-हम जांच कर रहे

एडीजी भानु भास्कर से मीडिया ने सवाल उठाया कि इस मामले में अब तक पुलिस पर एक्शन क्यों नहीं हुआ तो उन्होंने कहा कि उनके संज्ञान में है। पांच दिन में उनकी अध्यक्षता में गठित टीम को अपनी रिपोर्ट सौंपनी है। जो भी दोषी होंगे उनके बारे में रिपोर्ट में बताया जाएगा। किसकी गलती से हादसा हुआ और क्या कम और कर सकते थे जिससे उसकी जान बच सकती थी इस पर विस्तृत रिपोर्ट दी जाएगी। अथॉरिटी, पुलिस और इमरजेंसी रेस्पांस टीम सबके रोल पर हम एग्जामिन कर रहे हैं।

एडीजी ने निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया, डीएम और कमिश्नर खामोश रहे

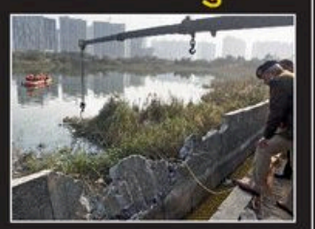

NBT न्यूज, ग्रेटर नोएडा: सर्च ऑपरेशन के दौरान घटनास्थल पर एडीजी के साथ एसआईटी टीम पहुंची। एडीजी ने मीडिया से बातचीत में दावा किया कि सभी संबंधित अधिकारियों से बात की जा रही है। साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और पीड़ित परिवार से संवाद कायम है। इस बीच युवराज मेहता के दोस्त भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि एसआईटी ने युवराज के पिता को नोएडा अथॉरिटी कार्यालय बुलाकर बयान दर्ज किया है।

मीडिया को नहीं दिए जवाब

दूसरी ओर डीएम और कमिश्नर से मीडिया ने सवाल पूछने के लिए उन्हें रोकने का प्रयास किया लेकिन उन्होंने मीडिया के सवालों के जवाब नहीं दिए। एडीजी ने मीडिया के सवालों पर कहा कि जांच हर पहलू से की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

लैपटॉप व फोन लेने पहुंचा दोस्त

दोस्त के मुताबिक कि वह कार के अंदर मौजूद लैपटॉप, मोबाइल और पर्स बरामद करने के लिए आए हैं। परिवार को उम्मीद है कि इन सामान से कुछ अहम सुराग मिल सकते हैं।

DME किनारे मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

■ NBT न्यूज, मोदीनगर

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के किनारे गांव कलछीना के पास मंगलवार सुबह युवक का शव मिला। आशंका है कि गोली मारकर हत्या के बाद शव को यहां फेंक दिया गया। पुलिस जांच के साथ मृतक की शिनाख्त का प्रयास कर रही है।

मंगलवार सुबह पेट्रोलिंग टीम दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर कलछीना के पास गश्त कर रही थी। इसी दौरान उनकी नजर शव पर पड़ी, जिसके आसपास पशुओं का जमावड़ा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर तलाशी ली, लेकिन पहचान संबंधी दस्तावेज बरामद नहीं हुआ। मृतक की उम्र करीब 29 वर्ष बताई जा रही है। सूचना पर फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और साक्ष्य एकत्र किए। एसीपी मोदीनगर ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। एसीपी मोदीनगर अमित सक्सेना ने बताया कि युवक के सीने पर एक टैटू बना है, जिस पर जेएस लिखा है। मृतक की जल्द पहचान कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

गैंगरेप का फरार आरोपी अरेस्ट

■ **NBT न्यूज, लोनी :** ट्रोनिका सिटी थाना पुलिस ने गैंग रेप के मामले में फरार आरोपी सुशांत लोक गुरुग्राम के रहने वाले प्रद्युम्न बसोड को दिल्ली-सहारनपुर रोड स्थित पुश्ता चौकी के पास से अरेस्ट किया है। दूसरे आरोपी की तलाश जारी है। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि मध्यप्रदेश के गढ़कोटा निवासी शख्स पत्नी और नाबालिग बेटी के साथ ट्रोनिका सिटी क्षेत्र में रहते थे। आरोप है कि सितंबर में दोनों युवकों ने उसकी बेटी से गैंग रेप किया था।

फर्जी दस्तावेज पर बैनामा कर 15 लाख हड़पे

■ NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद

क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र के शैतानीनगर अकबरपुर बहरामपुर निवासी महिला के साथ कुछ लोगों ने धोखाधड़ी की। फर्जी दस्तावेज के आधार पर प्लॉट का सौदा कर बैनामा करा दिया। आरोपियों ने 15 लाख रुपये हड़प लिए। वह प्लॉट पर निर्माण कराने पहुंची, तो वहां पहले से निर्माण हो रहा था। रुपये मांगने पर आरोपी धमकी दे रहे हैं। मामले में संतोष देवी ने पूर्वी दिल्ली निवासी पुष्पा, सतवीर, महेंद्र, राजीव कुमार, फुरकान और अन्य के खिलाफ केस दर्ज कराया है।

पीड़ित महिला ने पांच नामजद समेत अन्य के खिलाफ केस दर्ज कराया

शिकायत में संतोष देवी ने बताया कि पति विकास के दोस्त अनिल ने अपने साथी सतवीर, महेंद्र, राजीव कुमार और फुरकान व अन्य लोगों के साथ 55 वर्गगज का प्लॉट ढूंढाहेड़ा अनंता एन्क्लेव में दिखाया। 15 लाख रुपये लेकर पूर्वी दिल्ली के फाजलपुर शकरपुर निवासी पुष्पा से प्लॉट का बैनामा उनके नाम कराया। जब वह प्लॉट पर निर्माण कार्य कराने के लिए गई तो वहां पहले से निर्माण चलता मिला। वहां मौजूद लोगों ने बताया उन्होंने यह प्लॉट 2012 में खरीदा था। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि मामले में जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

नोएडा में एलिवेटेड रोड पर कैंटर से टकराई लग्जरी कार, छात्रा की मौत

■ NBT रिपोर्ट, नोएडा

सेक्टर 49 भंगेल एलिवेटेड रोड पर मंगलवार तड़के साढ़े तीन बजे के करीब तेज रफ्तार जगुआर कार आगे चल रहे कैंटर से टकरा गई। हादसे में कार सवार एक छात्रा और तीन छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद कैंटर चालक फरार हो गया। घटना की सूचना सेक्टर 49 थाने की पुलिस को मिली, मौके पर जाकर पुलिस ने कार का गेट काटकर घायल छात्रों को बाहर निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया। वहां इलाज के दौरान छात्रा की मौत हो गई। कार सवार चारों छात्र नोएडा स्थित कॉलेज में पढ़ाई कर रहे हैं। सेक्टर 76 की तरफ एक लाइब्रेरी में साथ में पढ़ने जाते हैं। हादसे के समय चारों लाइब्रेरी से लौट रहे थे। पुलिस ने बताया कि जगुआर कार में नील पवार (18), आयुष भाटी(18), फलक (19), अंश (18) कार में सवार होकर भंगेल एलिवेटेड से अगाहपुर की तरफ जा रहे थे। घटना में मौके पर छात्रा फलक अहमद की मौत हो गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को अस्पताल भिजवाया।

पुलिस ने कार का गेट काटकर घायल स्टूडेंट्स को बाहर निकाला

हादसे में BJP नेता के बेटे समेत 3 की जान गई

■ **NBT न्यूज, बुलंदशहर :** गुलावठी में चिढ़ावक गांव के पास नैशनल हाइवे-334 पर भीषण सड़क हादसे में भाजपा किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष संजय त्यागी के बेटे अंकित, उनके निजी सुरक्षाकर्मी (PSO) महेश कुमार और दोस्त डॉ. आशुतोष पुनिया की जान चली गई। अंकित त्यागी भाजपा एमएलसी अश्वनी त्यागी के भतीजे थे। सभी लोग बुलंदशहर में जमीन देखने के बाद मेरठ लौट रहे थे, तभी उनकी कार डिवाइडर से टकराकर सड़क के दूसरी ओर ट्रक में जा घुसी। हादसा इतना भयानक था कि क्रेटा कार के परखच्चे उड़ गए। पुलिस के अनुसार, कार की रफ्तार काफी तेज थी। एसएसपी और एसपी सिटी समेत अधिकारियों ने राहत कार्य शुरू करवाया।

कोर्ट के आदेश पर भी कुलसचिव नहीं ले पाए चार्ज

■ **NBT न्यूज, ग्रेटर नोएडा :** गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी (जीबीयू) प्रशासन इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश की अनदेखी कर रहा है। हाई कोर्ट के आदेश के बाद डॉ.विश्वास त्रिपाठी मंगलवार को कुलसचिव पद का चार्ज लेने पहुंचे, लेकिन दूसरे दिन भी उन्हें बिना पदभार ग्रहण किए लौटना पड़ा। यूनिवर्सिटी परिसर में उनके ऑफिस पर ताला लगा हुआ है। ऐसे में अब आदेश की साफ अनदेखी हो रही है। बता दें कि पिछले दिनों गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी के वीसी प्रोफेसर राणा प्रताप सिंह और अन्य पर छात्रों की फीस, नियुक्ति और एक छात्र को परीक्षा की जिम्मेदारी देने के मामले के बाद लोकायुक्त ने जवाब मांगा था। इसके बाद वीसी ने कुलसचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी को हटा दिया था। पूर्व कुलसचिव ने वीसी के आदेश को इलाहाबाद हाई कोर्ट में चुनौती दी थी।

गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी का मामला, ऑफिस पर मिला ताला

फटाफट खबरें

सोने और हीरे के हार चोरी, मेड पर शक

■ **NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद :** कविनगर क्षेत्र की लैंडक्राफ्ट सोसायटी निवासी व्यक्ति के घर से सोने व हीरे के चार-पांच हार चोरी हो गए। मामले में सुधीर कुमार गुप्ता ने थाने में मेड सोनिया के खिलाफ केस दर्ज कराया है। सुधीर ने बताया कि घर पर करीब पांच महीने से रजापुर निवासी सोनिया काम कर रही है। घर से कैश, सोने व हीरे के चार-पांच हार चोरी हो गए। घर में कोई बाहर से आया भी नहीं है। केवल सोनिया ही काम करने आती है। एसीपी कविनगर सूर्यबली मौर्य का कहना है कि मामले में केस दर्ज कर लिया गया है।

झांसा देकर साढ़े तीन लाख रुपये ठगे

■ **NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद :** साइबर ठगों ने घर बैठे कमाई का झांसा देकर व्यक्ति से साढ़े तीन लाख रुपये ठग लिए। शातिरों ने पहले ऑनलाइन कार्य कराकर खाते में 900 रुपये भेजे और फिर प्रीपेड टास्क के नाम पर रकम ट्रांसफर कराकर ठगी की। मामले में पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की है। नंदग्राम डी-ब्लॉक निवासी राजेश वर्मा का कहना है कि वॉट्सऐप पर श्रुति शर्मा नाम की महिला का मैसेज आया। उसने घर बैठे कमाई का झांसा दिया था। पुलिस का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है।

नोएडा टेंडर घोटाला मामले में दी गवाही

■ **NBT न्यूज, आरडीसी :** नोएडा प्राधिकरण के टेंडर घोटाले और यादव सिंह से जुड़े आय से अधिक संपत्ति के मामले में कोर्ट में सुनवाई जारी है। मंगलवार को सीबीआई की विशेष कोर्ट में टेंडर घोटाले में विवेचक राजेश कुमार सिंह कोर्ट में बयान दर्ज कराया। अगली सुनवाई 22 जनवरी होगी। उधर, सीबीआई द्वारा मामला दर्ज किए जाने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी धनशोधन के आरोपों की जांच शुरू की थी। कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए छह मार्च की तारीख लगाई है।

41 दिन बाद बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज

■ **NBT न्यूज, लोनी :** पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में 41 दिन बाद रिपोर्ट दर्ज की है। खजूरी दिल्ली के रहने वाले विवेक पाल ने बताया कि 8 दिसंबर 2025 लाल बाग मंडी में सब्जी लेने गया था। वहीं से उसकी बाइक चोरी हो गई थी। वहीं, बेहटा हाजीपुर के रहने वाले अंकुर धामा ने बताया कि 27 दिसंबर 2025 को चोरों ने घर के बाहर से बाइक चोरी कर ली। पुलिस ने 23 दिन बाद रिपोर्ट दर्ज की है। उत्तरांचल विहार कॉलोनी निवासी रवि शर्मा ने बताया कि 9 जनवरी 2026 घर के सामने से बाइक चोरी हो गई थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हादसे में घायल युवक की मौत

■ **NBT न्यूज, मोदीनगर :** गांव सीकरी कलां के पास ट्रक की टक्कर से घायल युवक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। गांव बेगमाबाद बुढ़ाना निवासी राजू रविवार रात सीकरी कलां के पास पैदल जा रहा था। इसी बीच ट्रक ने उसे कुचल दिया। इलाज के दौरान देर रात राजू की मौत हो गई। मोदीनगर-हापुड़ मार्ग पर भोजपुर स्थित पेट्रोल पंप के सामने ट्रक ने कार में टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार पीएम आवास योजना के बुलंदशहर के जिला समन्वयक उज्ज्वल गिरि घायल हो गए।

बड़े भाई की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

■ **NBT न्यूज, हापुड़ :** बहादुरगढ़ क्षेत्र में 50 हजार रुपये के विवाद में बड़े भाई की हत्या के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आंबेडकर नगर मोहल्ला निवासी उमेश (32) गुरुवार देर रात्रि शराब पीकर घर आया और पत्नी सविता से नौकरी के लिए 50 हजार रुपये मांगे। रकम न मिलने पर उमेश ने मारपीट व घर में तोड़फोड़ की, जिससे क्षुब्ध छोटे भाई दिव्यांशु ने चाकू से उसकी हत्या कर दी और फरार हो गया। थाना प्रभारी निरीक्षक धीरज मलिक ने बताया कि आरोपी को गंगा नहर पुल पर बनी पुलिस चौकी के कमरे के पास से गिरफ्तार किया है।

चोरी करने वाले छह बदमाश अरेस्ट

■ **NBT न्यूज, हापुड़ :** थाना बहादुरगढ़ पुलिस ने बंद मकानों, दुकानों व मंदिरों में चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा किया है। इसमें एक नाबालिग सहित 6 सदस्यों को पकड़ा है। आरोपियों से चोरी किया गया सामान, ज्वेलरी व दो वाहन बरामद किए हैं। एसपी विनीत भटनागर ने बताया कि पुलिस ने बहादुरगढ़ निवासी प्रिंस, जीशान, सिम्भावली निवासी फैसल उर्फ हसन, अयूब, अजहर व एक नाबालिग को पकड़ा है। चोरों ने थाना बहादुरगढ़, गढ़मुक्तेश्वर, सिम्भावली व बाबूगढ़ क्षेत्रों से चोरी की घटनाएं स्वीकारी हैं।

स्नैक टूरिज्म सफर और स्वाद का नया संगम

किसी शहर को समझने के लिए अब केवल इमारतें या म्यूजियम नहीं, बल्कि उसका लोकल स्वाद भी अहम हो गया है। इस साल तेजी से उभरता ट्रेंड स्नैक टूरिज्म उन यात्रियों का है, जो स्ट्रीट फूड और लोकल स्नैक्स के जरिए किसी जगह को जानना चाहते हैं:

Saroj.Dhuliya@timesofindia.com

जब यात्रा का मकसद घूमने से ज्यादा लोकल जायकों का स्वाद और अनुभव बन जाए, उसे स्नैक टूरिज्म कहते हैं। तेजी से उभरता यह ट्रेंड फाइव स्टार रेस्टोरेंट या फाइन डाइनिंग तक ही सीमित नहीं है, बल्कि लोकल मार्केट, गली-मोहल्ले, स्ट्रीट स्टॉल्स और छोटे बेकरी शॉप्स तक फैला हुआ है।

इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (IATO) के प्रेसिडेंट रवि गोसाईं कहते हैं, 'स्नैक टूरिज्म आज के यात्रियों, खासकर युवाओं में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। अब लोग सिर्फ घूमने की जगहें नहीं देखते, बल्कि किसी शहर के लोकल स्ट्रीट फूड, चॉकलेट और पारंपरिक स्नैक्स का स्वाद लेना और उन्हें साथ ले जाना भी पसंद कर रहे हैं। इससे यात्रा का अनुभव और मजेदार बनता है और साथ ही स्थानीय दुकानों व कारोबार को भी आर्थिक फायदा मिलता है।'

ट्रैवल एजेंट सुमित कुमार बताते हैं, 'अब यात्री ऐसे शहरों को चुन रहे हैं, जहां घूमने के साथ-साथ लोकल स्नैक्स और स्ट्रीट फूड का अनुभव भी मिल सके। यही वजह है कि स्नैक टूरिज्म आज ट्रैवल प्लानिंग का अहम हिस्सा बनता जा रहा है।'

दरअसल, जैसे एडवेंचर टूरिज्म रोमांच पसंद करने वालों को आकर्षित करता है, एस्ट्रो टूरिज्म आसमान के तारों से जोड़ता है, वैसे ही स्नैक टूरिज्म खाने के शौकीनों को किसी जगह की संस्कृति से जोड़ता है, वो भी एक बाइट में।

क्यों इस साल का बड़ा ट्रैवल ट्रेंड है स्नैक टूरिज्म?

स्टडीज बताती है कि इस ट्रेंड को सबसे ज्यादा 90's के मिलेनियल्स और Gen Z आगे बढ़ा रहे हैं। एक ट्रैवल ऐप के मुताबिक, यूके के करीब 49% यात्री यात्रा के दौरान लोकल खाने और स्नैक्स को सबसे अहम मानते हैं। 59% मिलेनियल्स किसी जगह को चुनते समय वहां के पॉपुलर स्नैक्स पर ध्यान देते हैं। 70% लोग खास विदेशी खाने के लिए अलग से बजट बनाते हैं। 38% Gen Z ने कहा कि वे एफिल टॉवर देखने से ज्यादा फ्रेंच खाना खाना पसंद करेंगे।

> स्नैक टूरिज्म युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, जहां पर्यटक स्थानीय स्ट्रीट फूड और पारंपरिक स्नैक्स का स्वाद लेने के साथ उन्हें साथ ले जाना भी यात्रा का अहम हिस्सा मानते हैं, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है।
> -रवि गोसाईं, IATO के प्रेसिडेंट

स्नैक टूरिज्म क्यों बढ़ रहा है?

- **यंग जनरेशन का असर:** मिलेनियल्स और Gen Z के लिए खाना सिर्फ पेट भरने की चीज नहीं, बल्कि एक्सपीरियंस है।
- **सांस्कृतिक जुड़ाव:** किसी जगह का स्वाद वहां की परंपरा, मौसम और लोगों की आदतों को दर्शाता है।
- **आसान और किफायती:** महंगे रेस्टोरेंट की बजाय लोकल बाजारों में सस्ते, ऑथेंटिक और दमदार फ्लेवर मिल जाते हैं।
- **सोशल मीडिया फैक्टर:** लोकल स्नैक्स की रील्स, ब्लॉग्स और फूड हॉल्स, इस ट्रेंड को और तेज कर रहे हैं।

स्वाद के साथ शहरों की सैर

इंदौर: यहां के पोहा-जलेबी, भुट्टे का कीस, गराडू चाट, साबूदाना खिचड़ी बेहद पॉपुलर है।
कहां जाएं: सराफा बाजार

अमृतसर: हर निवाले में पंजाब की रिच फ्लेवर। अमृतसरी कुल्चा, आलू टिक्की, पनीर पकोड़ा, लस्सी यहां जरूर आजमाएं।
कहां जाएं: हॉल बाजार, गुरु बाजार

कोलकाता: यहां के स्नैक्स का स्वाद बाकी शहरों से बिल्कुल अलग। पुचका, काठी रोल, झालमुड़ी, तेलेभाजा यहां की जानीमानी स्वादिष्ट चीजें हैं।
कहां जाएं: गरियाहाट बाजार, न्यू मार्केट

अहमदाबाद: शाकाहारी स्नैक्स का स्वर्ग। यहां आकर खाखरा, फाफड़ा-जलेबी, खांडवी, ढोकला जरूर ट्राई करें।
कहां जाएं: मानेक चौक, लाल दरवाजा बाजार

बेंगलुरु: दक्षिण भारतीय स्नैक्स का फ्लेवर हब। यहां के लोकप्रिय स्नैक्स में बेन्ने डोसा, मद्दूर वड़ा, चटनी पुडी इडली, मैंगलोर बन्स आदि हैं।

क्या है इरिटेबल बाउल सिंड्रोम और कैसे इस बीमारी से करें बचाव?

@indiapicture

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस खुशी कपूर ने हाल ही में खुलासा किया कि वह इरिटेबल बाउल सिंड्रोम (IBS) से जूझ रही हैं। यह किस तरह की बीमारी है और इससे कैसे बाहर निकलना है, जानिए।

आईबीएस क्या है?

आईबीएस यानी इरिटेबल बाउल सिंड्रोम एक लंबे समय तक चलने वाली पाचन संबंधी समस्या है, जिसमें आंतें सामान्य तरीके से काम नहीं कर पातीं। सर गंगा राम हॉस्पिटल में सीनियर कंसल्टेंट-गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, डॉ. पियूष रंजन बताते हैं कि यह एक आम बीमारी है, जो आंतों और पाचन तंत्र को प्रभावित करती है। यह गट-ब्रेन इंटरैक्शन डिसऑर्डर की श्रेणी में आती है, जिसमें दिमाग और आंत के बीच तालमेल बिगड़ जाता है। इसके मुख्य लक्षणों में पॉटी की आदतों में बदलाव (दस्त या कब्ज) शामिल हैं, जो अक्सर मल त्याग के बाद कम हो जाता है। साथ ही पेट फूलना, गैस, ऐंठन और खाने के बाद पेट दर्द जैसी दिक्कतें भी हो सकती हैं।

आईबीएस का उपचार

आईबीएस के लिए कोई खास डायग्नोस्टिक टेस्ट नहीं है। इसका पता ROME IV क्राइटेरिया के तहत लक्षणों और मेडिकल हिस्ट्री के आधार पर लगाया जाता है, जिसमें पेट दर्द और मल त्याग में बदलाव शामिल हैं। स्वस्थ जीवनशैली, ट्रिगर फूड से परहेज और दवाओं से इसके लक्षणों को नियंत्रित किया जा सकता है। जरूरत पड़ने पर CBT भी मददगार होती है।

बीमारी होने की वजह

डॉ. पियूष रंजन बताते हैं कि गलत खानपान, आंतों में अच्छे-बुरे बैक्टीरिया का असंतुलन, फूड एलर्जी, आंतों का इन्फेक्शन और पाचन प्रक्रिया का धीमा होना, तनाव, चिंता और डिप्रेशन इसके होने की खास वजह है। यह बीमारी कम उम्र में भी हो सकती है और 20 साल के बाद इसके लक्षण ज्यादा दिखने लगते हैं, क्योंकि तनाव पेट की नसों को प्रभावित कर आईबीएस के लक्षण बढ़ा देता है।

उपचार के दौरान क्या करें?

इस बारे में फीजिशियन संजय शर्मा कहते हैं कि हल्का भोजन करें, मसालेदार और प्रोसेस्ड फूड कम लें। जो खाद्य पदार्थ लक्षण बढ़ाते हों, उनसे परहेज करें। समय पर खाना खाएं और पर्याप्त पानी पिएं। योग, ध्यान और तनाव से बचने का प्रयास करें।

Advertorial, Entertainment Promotional Feature

Enterटेनमेंट masalamix

इरफान खान बोले, तुम डी डे में भी गाना डाल दोगे: निखिल

ओटीटी पर इन दिनों अपनी वेब सीरीज के जरिए लगातार इतिहास के पन्ने पलट रहे फिल्ममेकर निखिल आडवाणी हाल ही में अपनी सीरीज फ्रीडम ऐट मिडनाइट 2 को लेकर चर्चा में रहे। ऐसे में हमने निखिल से उनके सिनेमाई सफर पर की खास बातचीत:

Upma.Singh@timesofindia.com

Q आपने करियर के शुरुआत में सईद मिर्जा, सुधीर मिश्रा, फिर करण जौहर, आदित्य चोपड़ा जैसे दो बिल्कुल विपरीत धाराओं के फिल्मकारों को असिस्ट किया। उसने आपके भीतर के फिल्मकार को कैसे गढ़ा?

मैं हमेशा से फिल्मी बच्चा रहा हूं। मैं 12वीं में फेल हो गया था क्योंकि बहुत फिल्में देखता था। मैं दिन में पांच या छह फिल्में देखता था तो मैं ओल्ड फिल्मों का कीड़ा हूं। इसलिए, चाहे सत्यजीत रे हो या श्याम बेनेगल, रमेश सिप्पी हो या यश चोपड़ा मैंने सबका सिनेमा देखा है। बाद में खूब पढ़ाई की और जेवियर्स से पास आउट हुआ तो उस समय एक जोश, एक जज्बा था कि हम देश- दुनिया को बदल देंगे। इसलिए सईद मिर्जा, सुधीर मिश्रा के चरणों में जाकर गिर गया और वे सही मायने में मेरे गुरु हैं। आज भी मैं कुछ करते हुए ये सोचता हूं कि सईद और सुधीर क्या करते! लेकिन मेरा जो स्कूल है, जहां मैंने प्रोडक्शन सीखा है वो करण जौहर और यश चोपड़ा के बैनर ही हैं तो दोनों के बीच द्वंद चलता रहता है। मुझे याद है, इरफान खान जब डी डे करने के लिए मान रहे थे तो उन्होंने कहा था कि यार, तू उसमें गाना डाल देगा। तू कैसे रियलिस्टिक कर सकता है!

Q आपको सिनेमा की दुनिया में 30 साल हो गए। इतना प्यार-शोहरत हासिल करने के बाद अब क्या लक्ष्य है?

मैं अब सिर्फ लौटाना चाहता हूं। मेरा मानना है कि अगर हम इस इंडस्ट्री को वापस नहीं देंगे जिससे हमने इतना कुछ पाया है तो हम बहुत छोटी सोच वाले हो रहे हैं। इसलिए, मैं दूसरे राइटर-डायरेक्टर्स को सपोर्ट कर रहा हूं। हमने मासूम बोझा जैसी फिल्म बनाई। हमने राइटर्स को मजबूत करने के लिए राइटर्स रेजिडेंसी प्रोग्राम बनाया था तो मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने यही रखता है कि मैं कैसे इंडस्ट्री को मजबूत करने में अपना शेयर दे पाऊं।

Q इधर, आप लगातार इतिहास के पन्नों को अपनी सीरीज के जरिए पलट रहे हैं। रॉकेट बॉयज, द एम्पायर, फ्रीडम ऐट मिडनाइट के बाद आपकी आगामी सीरीज द रिवॉल्यूशनरीज भी स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में है। ऐसा क्यों?

मुझे इतिहास के पॉडकास्ट सुनना, इतिहास की किताबें पढ़ना बहुत पसंद है। मेरी चाहत है कि मैं ऐसा काम करूं जिससे लोगों को अपना इतिहास याद रहे। मेरी बेटी 19 साल की है, मैं चाहता हूं कि उसे अपने देश का इतिहास पता हो। वह उसे भूले नहीं। मेरा खुद का परिवार सिंध और कराची से है तो मैं चाहता हूं कि उसे पता हो कि हमारे दादा-दादी ने बंटवारे के दौरान क्या भुगता था? इसलिए मैंने फ्रीडम ऐट मिडनाइट बनाया। जबकि, रिवॉल्यूशनरीज संजीव सान्याल जी की किताब पर आधारित है। वह गांधी जी से पहले पहले के जो क्रांतिकारी रहे हैं, उन पर है लेकिन वह फ्रीडम ऐट मिडनाइट से बहुत अलग है। वह क्रांति की कहानी है, मगर उसमें 5 गाने भी हैं, 11 ऐक्शन सीन भी हैं, लव स्टोरी भी है तो उसमें मैं सब कुछ कर रहा हूं। उसमें मैं थोड़ा बहुत मनोज कुमार बनने की कोशिश कर रहा हूं।

Q आज के समय में आपको इंडस्ट्री में किस चीज में सुधार की जरूरत महसूस होती है?

मुझे लगता है कि फिल्ममेकर्स को ज्यादा पढ़ना चाहिए। जैसे, पहले के जमाने में यश चोपड़ा को साहिर लुधियानवी की सारी कविता जुबानी याद थी। वे दिल से खुद कवि थे। मुझे उनके साथ काम करने की खुशनसीबी मिली। आज हम विदेशी फिल्में देखते हैं और हमें लगता है कि वही सिनेमा है। हमें अपना साहित्य और पढ़ना चाहिए। विश्व सिनेमा और देखना चाहिए और इस ओपनिंग और वीकेंड के आंकड़ों के खेल से बचना चाहिए।

Q किताब को स्क्रीन पर अडाप्ट करना जटिल काम होता है। फिर इस शो में गांधी जी, नेहरू, जिन्ना, पटेल जैसे ऐतिहासिक हस्तियों का चित्रण और अपनी क्रिएटिव आजादी के बीच कैसे तालमेल बिठाया?

आपने सही कहा कि किताब को स्क्रीन पर उतारना चुनौतीपूर्ण काम है। फिर फ्रीडम ऐट मिडनाइट बेशक बहुत उम्दा किताब है, मगर ऐसे भी लोग हैं जिन्हें लगता है कि इसमें कहानी पश्चिमी नजरिए से कही गई है। इसे अंग्रेजों ने लिखा है तो क्या वास्तव में यह हमारा इतिहास है? लेकिन हमें किताब बहुत पसंद आई तो हमने इसे अडाप्ट करने का फैसला किया और किसी किताब को अच्छे से तभी अडाप्ट कर सकते हैं अगर राइटिंग मजबूत हो। हमारे शो में छह राइटर्स का क्रेडिट है। उनके साथ औरों की भी मेहनत है। इसे सिर्फ लिखने में डेढ़ साल लगे। रही बात इसे पर्दे पर दिखाने की तो मेरा मानना है कि कभी भी इतिहास एक नहीं हो सकता है। अलग-अलग लोगों का उसे देखने का अलग दृष्टिकोण हो सकता है। इसलिए, मैंने ये तय किया था कि मैं इसमें अपना जजमेंट नहीं देने वाला कि ये सही हैं या ये गलत हैं। मैं ऑडियंस को उन कमरों के अंदर लेकर जाना चाहता था, उन दौरों, विरोध के अंदर लेकर जाना चाहता था कि आप खुद तय करें कि नेहरू, जिन्ना, पटेल, माउंटबेटन, मेनन सबको वही जानकारी मिल रही थी जो आपको अभी मिल रही है तो आप खुद तय करें कि उन्होंने सही फैसले लिए या नहीं?, मेरा बैलेंस जजमेंटल न होने से आया।

धुरंधर के बाद आगे क्या करूंगी, पता नहीं: सारा अर्जुन

@saraarjunn

सारा अर्जुन का कहना है कि उन्होंने फिल्म धुरंधर के सीक्वल के बाद का अपना अगला कदम तय नहीं किया है। एक इंटरव्यू में सारा से पूछा गया कि धुरंधर की सफलता के बाद स्क्रिप्ट चुनते समय उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती क्या होती है, तो उन्होंने कहा, 'मैं इसे हर दिन के बदलाव के रूप में देखती हूं, क्योंकि हम हर रोज ग्रो करते हैं। आज मुझे इस बात का एहसास है कि ऐक्टिंग को अपने पेशे के रूप में अपनाना एक बहुत बड़ा सौभाग्य है।'

धुरंधर 2 के बाद सारा किन प्रोजेक्ट्स में दिखेंगी? इस पर वह कहती हैं, 'मेरे अगले कदम के बारे में फिलहाल कुछ तय नहीं है। मुझे नहीं पता कि मैं मार्च के बाद क्या करूंगी। मैं यह बात बहुत सकारात्मक तरीके से कह रही हूं।' हालांकि सारा कहती हैं कि मुझे यह अनिश्चितता की स्थिति पसंद है। उन्होंने कहा, 'मुझे यह अनिश्चितता बहुत पसंद है क्योंकि यह मुझे हमेशा सीखने की स्थिति में रखती है। मैं ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं जो बहुत दमदार हों, खासतौर पर जिनमें भावनात्मक गहराई हो।'

एक ही फ्रेम में नज़र आए शाहरुख-कैटी

शाहरुख खान हाल ही में सऊदी अरब के रियाद में हुए जॉय अवॉर्ड्स में शामिल हुए। अब इस इवेंट से जुड़ा एक ऐसा मोमेंट सामने आया है, जो शाहरुख के फैंस के लिए खास बन गया है। दरअसल इस अवॉर्ड फंक्शन में से उनके चहेते स्टार का एक फोटो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, जिसमें वह ग्लोबल पॉप स्टार कैटी पेरी संग खड़े हैं। इस दौरान मंच पर शाहरुख से जब पूछा गया कि उन्हें सऊदी अरब आकर कैसा लगता है, तो उन्होंने कहा कि वह यहां एक बार काम के सिलसिले में नहीं, बल्कि छुट्टियां बिताने भी आना चाहते हैं।

शाहरुख ने कहा, 'यह जानकर बहुत खुशी होती है कि यहां के लोग मेरे काम को पसंद करते हैं। मैंने यहां एक फिल्म की शूटिंग की है, इसलिए मुझे यहां की लोकेशन्स बहुत अच्छी लगती हैं। यहां का कल्चर, लोग और खाना भी बहुत शानदार है। अब मैं यहां काम के लिए नहीं, बल्कि छुट्टियों के लिए आना चाहता हूं।' इस इवेंट में शाहरुख के अलावा कई ग्लोबल स्टार्स जैसे मिली बॉबी ब्राउन और ली जंग जे ने भी शिरकत की। वहीं फोटो पर शाहरुख के फैंस बेहद खुश नजर आ रहे हैं और कई सारे रिएक्शन्स भी दे रहे हैं। कुछ फैंस शाहरुख को अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने वाला सुपरस्टार बता रहे हैं।

Photo: Social Media

> मैंने यहां (सऊदी अरब) एक फिल्म की शूटिंग की है, इसलिए मुझे यहां की लोकेशन्स बहुत अच्छी लगती हैं।

CCI NG 3.7 Product: DelhiMasalamixBS PubDate: 21-01-2026 Zone: TIMSTHA Edition: 1 Page: HDTHAFP User: cci Time: 01-20-2026 23:38 Color:

इरफान खान बोले, तुम डी डे में भी गाना डाल दोगे: निखिल p4

NBT गाज़ियाबाद Times OF INDIA
नवभारत टाइम्स | गाज़ियाबाद | बुधवार, 21 जनवरी 2026

उत्तरैणी पर्व ने फैलाई उत्तराखंडी संस्कृति की सुगंध P2

बेपरवाही की हद, DME पर 6 km उलटी दिशा में दौड़ाई कार

टीआई ने किया पीछा, , ₹7000 का चालान कर गाड़ी की सीज

NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे (DME) पर दिल्ली से मेरठ जाने वाली साइड में एक चालक ने उलटी दिशा में करीब छह किमी तक दिल्ली की ओर कार दौड़ा दी। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि बड़ा हादसा हो सकता था। डीएमई पर पेट्रोलिंग टीम में तैनात ट्रैफिक इंस्पेक्टर (टीआई) अजय यादव ने मेरठ से दिल्ली साइड से उसका पीछा किया और आगे यूपी गेट पॉइंट पर तैनात पुलिसकर्मियों से संपर्क कर एंगिनट पॉइंट पर कार चालक को रोका गया। इसके बाद गाड़ी सीज कर सात हजार रुपये का चालान किया गया। मामला 19 जनवरी की सुबह करीब साढ़े 10 बजे का है। गनीमत रही कि इससे कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। इसका विडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है।

टीआई अजय यादव ने बताया कि सोमवार सुबह करीब साढ़े दस बजे दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर दिल्ली से मेरठ जाने वाली साइड में एक तेज रफ्तार कार उलटी दिशा में दौड़ रही थी। उन्होंने सरकारी गाड़ी से डीएमई पर कार का पीछा किया और उसे रोकने का प्रयास किया। कार की रफ्तार काफी तेज थी। ऐसे में उन्होंने यूपी गेट की साइड ड्यूटी पर तैनात यातायात पुलिस से समन्वय बनाया और कार को रोकने के लिए कहा। इंदिरापुरम पॉइंट पर पुलिस ने कार चालक को रोक लिया। करीब छह किलोमीटर तक चालक ने रॉन्ग साइड कार को दौड़ाया। एसीपी यातायात जियाउद्दीन ने बताया कि कार सीज कर सात हजार रुपये का चालान किया गया है। बता दें कि इससे पहले भी रॉन्ग साइड चलने के कई मामले सामने आ चुके हैं।

टीआई ने यूपी गेट पर सूचना दे पकड़वाया

डीएमई पर हुई दुर्घटना

साल	हादसे	घायल	मौत
2023	53	40	44
2024	21	37	21
2025	41	39	25

"कार चालक ने करीब छह किलोमीटर तक डीएमई पर गलत दिशा में गाड़ी दौड़ाई। आरोपी को सूझबूझ से पकड़कर चालान काटा गया है।
- जियाउद्दीन, एसीपी यातायात

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर बड़ा हादसा टला, विडियो वायरल

डासना जाने से बचने के लिए लिया यूटर्न

पूछताछ में नोएडा सेक्टर 62 निवासी कार चालक लक्की पटेल ने बताया कि वह दिल्ली से आ रहा था और उसे नोएडा जाना था। वह दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे वाली लेन पर चढ़ गया। विजयनगर पहुंचने के बाद पता चला कि अब डासना से यू टर्न लेना पड़ेगा। ऐसे में उसने कार को यूटर्न कर उलटी दिशा में चलना शुरू कर दिया। कार उसकी बहन ज्योति पटेल के नाम पर पंजीकृत है। पुलिस ने कार चालक को फटकार लगाकर जान जोखिम में न डालकर वाहन चलाने की नसीहत दी। इसके बाद गाड़ी को सीज कर लिया।

गलत दिशा में दौड़ते हुए कई जगह टक्कर होने से बची

NHAI के दावे खोखले हुए

डीएमई पर पूर्व में हुए हादसों के बाद एनएचएआई ने दावा किया था कि कंट्रोल रूम के जरिए एक्सप्रेसवे की मॉनिटरिंग कर नियमों का उल्लंघन करने वालों के ऑनलाइन चालान किए जाएंगे और ट्रैफिक पुलिस से कोऑर्डिनेशन करके कार्रवाई की जाएगी। सोमवार को करीब छह किलोमीटर तक एक कार डीएमई पर गलत साइड में दौड़ी लेकिन एनएचएआई के कंट्रोल रूम से पुलिस को सूचना नहीं मिली। एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर अरविंद कुमार का कहना है कि एनएचएआई और ट्रैफिक पुलिस का कोऑर्डिनेशन रहता है। इस मामले में देखा जाएगा कि टीम का समन्वय क्यों नहीं बन पाया और पेट्रोलिंग वैन की लोकेशन कहां थी।

रिटायर्ड अफसर की कार घर में, 3 महीने से कट रहा टोल

मोबाइल पर पैसे कटने का मेसेज आने पर घटना का चला पता

NBT रिपोर्ट, टीएचए

वैशाली में रहने वाले एक रिटायर्ड अधिकारी की गाड़ी का नंबर और फास्टैग क्लोन करने का मामला सामने आया है। जालसाज खुलेआम गाड़ी दौड़ा रहा है। वहीं, टोल के रुपये कटने का मेसेज रिटायर्ड अधिकारी के मोबाइल पर आ रहा है। इस मामले में केस दर्ज कराने के लिए पीड़ित तीन माह से केंद्र और राज्य सरकार के कई विभागों के चक्कर लगा चुके हैं। इसके बावजूद न तो आरोपी पकड़ा गया और न ही गाड़ी का पता चला। इस मामले में पीएमओ, एचएम और रोड ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट में भी पीड़ित ने शिकायत की है। जॉइंट सेक्रेटरी यूपी और ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर यूपी को भी मेल किया है। ऐसे में अब जाकर 19 जनवरी को पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने इंदिरापुरम थाने में एफआईआर दर्ज की है। वहीं, पीड़ित ने सवाल उठाया कि अगर ऐसे में कोई हादसा हो जाता है तो उसका जिम्मेदार कौन होगा?

मूलरूप से जम्मू के रहने वाले रवि कुमार कौल अब रामप्रस्थ ग्रीन सेक्टर-7 वैशाली में रहते हैं। वह नेशनल से रिटायर्ड अधिकारी हैं। उनके मोबाइल पर 20 अक्टूबर को एक मेसेज आया, जिसमें कहा गया कि कानपुर के पास स्थित बाराजोर टोल प्लाजा से उनकी गाड़ी गुजरी है और 180 रुपये का टोल कट गया है। 22 अक्टूबर को अनंतराम टोल प्लाजा से 110 रुपये कटने का मेसेज आया। वहीं, 26 और 27 अक्टूबर को कानपुर के निकट अलीप मैन प्लाजा से रुपये कटने के मेसेज आए। पीड़ित रवि कुमार कौल का कहना है कि उनकी होंडा सिटी कार उनके घर पर खड़ी है। वह कहीं गए भी नहीं हैं। इसके बावजूद उनके फास्टैग से टोल के रुपये कट रहे हैं। इस पर उन्होंने तत्काल एनएचएआई को मेल किया, वहां से जवाब मिला कि गलती से पैसे कट हो गए होंगे, वह इसको दिखवा रहे हैं।

वैशाली में खड़ी है कार और कई राज्यों में कट रहा है टोल, पहले शिकायत पर किसी ने नहीं दिया ध्यान

ठगी का नया तरीका

- करीब तीन माह बाद इंदिरापुरम थाने में दर्ज किया गया केस
- केंद्र और राज्य सरकार के कई विभागों से पीड़ित कर चुका है शिकायत

दिल्ली में किया हंगामा, नहीं मिला समाधान

पीड़ित का कहना है कि जब समाधान नहीं हुआ, तो वह खुद ही दिल्ली में ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर के यहां चले गए। वहां पर सुनवाई न होने पर उन्होंने हंगामा किया। इसके बाद एक इंजीनियर ने उन्हें बुलाया। जहां पर उन्होंने अपनी परेशानी बताई। पहले तो वह मानने को राजी नहीं थे। उन्होंने अपनी गाड़ी की फोटो और दूसरी गाड़ी की फोटो दिखाई, जिसके बाद मामूली अंतर देखने पर वह माने और गलती होने की बात स्वीकार की। वहां से उन्हें द्वारिका के फास्टैग के ऑफिस भेज दिया, लेकिन समाधान नहीं हुआ।

फास्टैग क्लोनिंग की आशंका

उन्होंने बताया कि फिर से जॉइंट सेक्रेटरी यूपी और ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर को मेल किया है, लेकिन आज तक उन्हें नहीं पता चल सका कि उनका टोल क्यों कट रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि हो सकता है कि उनके साथ साइबर क्राइम किया गया हो। साइबर अपराधियों ने उनकी नंबर प्लेट और फास्टैग का क्लोन बना लिया हो। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से आरोपी की तलाश की जा रही है। जल्द ही गिरफ्तार कर मामले की जांच की जाएगी।

साइबर एक्सपर्ट पवन दुग्गल ने बताए बचने के टिप्स

1. नंबर प्लेट क्लोनिंग रोकने के लिए सोशल मीडिया पर नंबर प्लेट की फोटो डालने से बचें और अपनी प्लेटों की नियमित जांच करें। अगर आपको शक हो तो तुरंत पुलिस और संबंधित अधिकारियों को सूचित करें।
2. फास्टैग यूजर के पास एक SMS आता है, जिसमें लिखा होता है कि आपका फास्टैग ब्लॉक हो गया है या एक्सपायर हो गया है। मेसेज में एक लिंक अटैच होता है, जिस पर क्लिक करने पर आप फर्जी वेबसाइट पर पहुंचते हैं, जहां से आपकी पर्सनल और बैंक की जानकारी चोरी हो सकती है।
3. गूगल या फेसबुक पर कई नकली हेल्पलाइन नंबर सर्च रिजल्ट में दिखते हैं। आप इन पर कॉल करते हैं तो सामने वाला आपको QR कोड स्कैन करवाकर ठगी कर लेता है।
4. वॉट्सऐप पर आपको कम रेट में फास्टैग देने का वादा किया जाता है, लेकिन जब आप खरीदते हैं तो वह काम नहीं करता या पहले से एक्टिवेटेड होता है।

नोएडा से सबक : गाज़ियाबाद में मॉल और सोसायटियों के बेसमेंट की होगी जांच

प्रशासन ने माना कि लापरवाही का नतीजा होती हैं ऐसी घटनाएं

Akhandpratap.singh
@Timesofindia.com

गाजियाबाद : नोएडा सेक्टर 150 में स्थित एक निर्माणाधीन मॉल के बेसमेंट में जलभराव के कारण हुई दुखद मौत से सबक लेकर प्रशासन एक्टिव मोड में आ गया है। वहां की घटना को गंभीरता से लेते हुए डीएम रविंद्र कुमार मांदड़ ने कड़े कदम उठाए हैं। प्रशासन का मानना है कि ऐसी घटनाएं बेसमेंट सुरक्षा, जल निकासी व्यवस्था और अग्निशमन मानकों में गंभीर लापरवाही का नतीजा होती हैं, जो भविष्य में किसी बड़ी आपदा का कारण बन सकती हैं। ऐसे में प्रशासन ने सभी मॉल, आवासीय बहुमंजिला सोसायटियों, निर्माणाधीन मॉल और हाईराइज बिल्डिंगों की सघन जांच कराने का फैसला लिया है।

इसके लिए नगर आयुक्त, जीडीए उपाध्यक्ष, आवास विकास परिषद के अधीक्षण अभियंता और मुख्य अग्निशमन अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिला प्रशासन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बिल्डरों द्वारा सुरक्षा मानकों के साथ कोई खिलवाड़ न किया जा रहा हो। खास तौर पर उन अधूरे निर्माण कार्यों पर नजर रखी जाएगी जहां खुदाई करके बेसमेंट को वैसे ही छोड़ दिया गया है। ऐसे स्पॉट को पहले चिह्नित किया जाएगा फिर एक्शन लेने की बारी आएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आपदा प्रबंधन अधिनियम की धाराओं के तहत अधिकारियों को यह अधिकार प्राप्त है कि वे संभावित आपदा को रोकने के लिए पूर्व में ही निवारक कार्रवाई सुनिश्चित करें।

अधूरे निर्माण और बिल्डरों की लापरवाही पर सर्जिकल स्ट्राइक

प्रशासन के संज्ञान में यह बात आई है कि कई जगहों पर बिल्डर बेसमेंट की खुदाई करके उसे अधूरा छोड़ देते हैं। ऐसी जगहों पर बारिश या पाइप लीकेज की वजह से पानी जमा होने का खतरा बना रहता है, जो पूरी इमारत की नींव को कमजोर कर सकता है। जिला प्रशासन ने साफ लहजे में चेतावनी दी है कि जनहानि के किसी भी संभावित खतरे को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है और सभी संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के लिए नोटिस भेजा जा चुका है।

इन 5 प्रमुख बिंदुओं पर होगा प्रशासन का कड़ा फोकस

बेसमेंट में जलभराव
बेसमेंट में पानी भरने की संभावना और उससे निपटने के लिए डी-वॉटरिंग व्यवस्था की जांच होगी।

पंपिंग और अलार्म
पंपिंग सिस्टम, पावर बैकअप और आपातकालीन अलार्म सिस्टम का वर्किंग कंडीशन में होना अनिवार्य है।

स्टॉर्म वॉटर ड्रेन
बारिश के पानी की निकासी के लिए पुख्ता इंतजाम होने चाहिए।

फायर सेफ्टी और निकास
अग्निशमन सुरक्षा मानकों का पालन और इमरजेंसी एग्जिट की उपलब्धता जांची जाएगी।

श्रमिकों की सुरक्षा
निर्माणाधीन भवनों में काम करने वाले मजदूरों और आम जनता की सुरक्षा के लिए अपनाए गए उपायों का परीक्षण होगा।

हर पहलुओं की बारीकियां देखेंगे

प्रशासन ने निर्देश दिया है कि वे संयुक्त जांच अभियान चलाएं। इसमें निगम, जीडीए और फायर विभाग की टीमें मिलकर मौके पर जाकर निरीक्षण करेंगी। इस दौरान तमाम बारीकियां परखी जाएंगी। कहीं भी गंभीर कमियां पाई जाती हैं, तो आपदा प्रबंधन अधिनियम की धारा 33 और 34 के तहत तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई के आदेश दिए जाएंगे। जरूरत पड़ने पर संबंधित भवन के संचालन या निर्माण पर तब तक रोक लगाई जा सकती है।

फूड पॉइजनिंग से छात्राएं बीमार, जांच करेगी समिति

NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद

निवाड़ी स्थित जयप्रकाश नारायण सर्वोदय स्कूल में फूड पॉइजनिंग से बीमार हुई छात्राओं के मामले में जांच के आदेश दिए गए हैं। इसके साथ ही मंगलवार को खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए गए। इनमें से 9 सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। इनकी रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। सीडीओ ने बताया कि बच्चों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसकी जांच के लिए चार सदस्यीय कमिटी बनाई गई है।

स्कूल के हॉस्टल की मेस में रविवार को खाने के बाद 18 छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई। उलटी और पेट दर्द की शिकायत के उन्हें देर रात इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डासना ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी छात्राओं को छुट्टी दे दी गई। मंगलवार को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने मौके का मुआयना किया। सहायक आयुक्त (खाद्य)-2 के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने स्कूल की कैंटीन और मेस का निरीक्षण किया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी अरुण कुमार और नरेंद्र कुमार की टीम ने कैंटीन संचालिका सविता और विद्यालय की प्रधानाध्यापिका चेतन यादव की मौजूदगी में किचन और खाद्य सामग्री भंडार का निरीक्षण किया। इस दौरान तैयार भोजन के नमूने लिए गए। इसमें दलिया, चना, दाल, आलू, गाजर की सब्जी और चावल शामिल हैं। कुल नौ नमूने जांच के लिए भेजे गए। मेडिकल ऑफिसर डॉ. आशुतोष ने बताया कि सोमवार को कुछ छात्राएं अपने अभिभावकों के साथ घर चली गई थीं।

खाद्य विभाग की टीमों ने मंगलवार को लिए कई सैंपल

महिला स्वयं सहायता समूह के पास है मेस की जिम्मेदारी

इस मेस की जिम्मेदारी एक महिला स्वयं सहायता समूह के पास है। किसी अनुभवी संस्था के पास जिम्मेदारी होनी चाहिए। स्कूल के एक स्टाफ ने बताया कि इस समूह के पास खाना मुहैया कराने का कोई अनुभव नहीं है। समाज कल्याण अधिकारी संदीप चौधरी ने मामले की जांच को एक टीम बनाई है।

धर्म बदल प्रेमजाल में फंसा महिला के यौन शोषण का आरोप

NBT रिपोर्ट, टीएचए : साहिबाबाद निवासी एक महिला को युवक ने धर्म और नाम बदल प्रेमजाल में फंसाया और एक साल तक सेक्शुअल असॉल्ट करता रहा। विरोध करने पर आरोपी ने युवती का विडियो वायरल करने की धमकी दी। आरोपी की हरकतों से परेशान महिला ने परिजन को घटना के बारे में बताया और फिर 19 जनवरी को थाने में शिकायत देकर केस दर्ज कराया। इसके बाद आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है। पीड़िता ने शिकायत में बताया कि वह साहिबाबाद में एक निजी संस्थान में काम करती है। कार्यस्थल पर आते-जाते समय उसकी मुलाकात आरोपी से हुई थी। आरोपी ने उसे अपना नाम मोहित बताया था।

मेडिकल उपकरण बनाने वाली फैक्ट्री में आग, 7 फायर टेंडर बुझाने में जुटे

आग के कारणों और नुकसान का बाद में चलेगा पता

NBT रिपोर्ट, टीएचए : साहिबाबाद में मेडिकल उपकरण बनाने की फैक्ट्री में मंगलवार शाम को भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की तरफ से 7 फायर टेंडर मौके पर भेजे गए। इसके अलावा पुलिस और दमकल विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। समाचार लिखे जाने तक आग पर काबू पाने का प्रयास जारी था। मौके पर अन्य फायर टेंडर भी बुलाए जा रहे थे।

मोहन नगर थानाक्षेत्र के लोनी रोड स्थित हर्ष कंपाउंड औद्योगिक क्षेत्र में संचालित एसएएफ मेडिकल सिस्टम नामक फैक्ट्री में मंगलवार शाम आग धधक उठी। आग लगने की सूचना सुरक्षाकर्मियों ने दमकल विभाग को दी। इसके साथ ही खुद भी आग बुझाने के प्रयास शुरू किए, लेकिन आग की उठती लपटों के आगे उनकी ओर से आग बुझाने के प्रयास नाकाफी साबित हुए। कंपनी में आग लगने की सूचना मिलते ही फायर स्टेशन साहिबाबाद, फायर स्टेशन वैशाली, फायर स्टेशन कोतवाली व फायर स्टेशन लोनी से दमकल की 7 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि आग बुझने के बाद ही आग लगने के कारणों का और आग से हुए नुकसान का पता चल सकेगा।

देर रात तक जलती रही आग

समुदाय विशेष पर अभद्र टिप्पणी करने का वीडियो वायरल

NBT रिपोर्ट, टीएचए : खोड़ा में एक समुदाय विशेष पर अभद्र टिप्पणी करने का मामला सामने आया है। घटना का विडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें युवक समुदाय विशेष पर टिप्पणी करते हुए देखा जा रहा है और एक वर्ग विशेष को भड़का रहा है। विडियो का संज्ञान लेकर पुलिस ने स्वयं ही जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में युवक के हरियाणा में होने की बात सामने आई है। हालांकि वह खोड़ा का ही रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। 37 सेकंड का यह विडियो इंस्टाग्राम और वॉट्सऐप पर तेजी से वायरल हो रहा है।

अलकनंदा टावर में गिरा फ्लैट की छत का प्लास्टर, हादसा टला

NBT रिपोर्ट, वैशाली

सेक्टर-4 स्थित अलकनंदा टावर में सोमवार को दूसरी मंजिल के एक फ्लैट की छत का प्लास्टर अचानक गिरने से हड़कंप मच गया। गनीमत रही कि हादसे के वक्त वहां कोई मौजूद नहीं था, जिससे किसी को कोई चोट नहीं आई। हालांकि, इस घटना ने एक बार फिर इमारत की जर्जर हालत को उजागर कर दिया है। घटना के बाद टावर के निवासियों में गहरा आक्रोश देखने को मिला। लोगों का कहना है कि बिल्डिंग की हालत लंबे समय से खराब है और कई बार संबंधित विभागों को इसकी शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। छत से प्लास्टर गिरने की यह घटना भविष्य में बड़े हादसे की चेतावनी मानी जा रही है।

रेजिडेंट अनिल और धर्म सिंह ने बताया कि वर्ष 2019 में अलकनंदा टावर को लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (GDA) के खिलाफ याचिका दायर की गई थी, जिसमें भवन की संरचनात्मक सुरक्षा और मरम्मत का मुद्दा उठाया गया था। यह मामला अब भी न्यायालय में लंबित है और इस दौरान बिल्डिंग की हालत और खराब होती जा रही है। मालूम हो कि 9 मंजिल की सोसायटी में कुल 72 फ्लैट हैं, जिसमें खराब हालत के चलते अब केवल 20 परिवार रहते हैं। निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि टावर की तत्काल आवश्यक मरम्मत और सुरक्षा उपाय जल्द से जल्द किए जाएं, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

जब प्लास्टर गिरा, तब वहां कोई नहीं था

हाई कोर्ट में चल रहा है केस

- जर्जर इमारत के हाल पर भड़के सोसायटी निवासी, बोले- कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा
- सोसायटी की मरम्मत के लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट में GDA के खिलाफ दायर है याचिका

"सोसायटी वर्ष 2010-2011 में आरडब्ल्यूए को हैंड ओवर हो चुकी है। इसके रखरखाव की जिम्मेदारी अब उन्हीं की है। - आलोक रंजन, एग्जेक्युटिव इंजीनियर, जीडीए

NBT से जुड़ें

अपने सेक्टर, सोसायटी, कॉलोनी, स्कूल-कॉलेज या संस्थान से जुड़ी कोई खबर एनबीटी तक पहुंचाना चाहते हैं तो 9266462955 पर वॉट्सऐप करें। QR कोड स्कैन करके भी मेसेज भेज सकते हैं। अपना और इलाके का नाम लिखें। शुरुआत में #GZB लिखें।

हेल्पलाइन नंबर 24/7

पुलिस कंट्रोल रूम
0120-2820758
ट्रैफिक कंट्रोल रूम
9643322904
नगर निगम गाजियाबाद हेल्पलाइन नंबर-टोल फ्री नंबर
1800 1803 012
विद्युत विभाग इमरजेंसी
9193320115
डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल इमरजेंसी
8826294546
फायर कंट्रोल
0120-2777102
9454418348

फटाफट खबरें

शिफ्ट बसों का ₹50 तक बढ़ेगा किराया

NBT रिपोर्ट, टीएचए : कौशांबी डिपो पर जिस दिन पीपीपी मॉडल पर विकास कार्य शुरू होगा, उससे 15 दिन पहले ही यहां से लंबी दूरी के लिए चलने वाली बसों को आनंद विहार शिफ्ट कर दिया जाएगा। मगर परिवहन विभाग की तरफ से इन बसों के शिफ्ट होने पर बड़ी कीमत आनंद विहार डिपो में बसों की पार्किंग और दिल्ली में कमर्शल वाहनों के रूप में एंट्री फीस के रूप में चुकानी होगी। इसका बोझ पैसेंजर्स की जेब पर पड़ेगा। जो आकलन किया है उसमें पैसेंजर्स की जेब पर 50 से 60 रुपये तक अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है।

रूम में CCTV, विरोध पर दी धमकी

NBT रिपोर्ट, टीएचए: ऐप के माध्यम से किराये पर फ्लैट लेना एक युवती को भारी पड़ गया। फ्लैट को युवती ने अस्पताल में भर्ती रिश्तेदार की देखभाल के लिए किराये पर लिया था। युवती को फ्लैट में दो कैमरे लगे मिले, जिसमें एक कैमरा बाथरूम की ओर और दूसरा कैमरा लिविंग रूम की ओर है। इससे उनके निजी विडियो भी कैद हो सकते हैं। पीड़िता ने फ्लैट देने वाले से इस बारे में शिकायत की। आरोप है कि शिकायत करने पर आरोपी ने जान से मारने की धमकी दे डाली।

2 करोड़ रुपये का ITC क्लेम लिया

NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद : हापुड़ में जीएसटी विभाग ने फर्जी फर्म से 2 करोड़ रुपये आईटीसी क्लेम करने के मामले का पर्दाफाश किया है। विभाग को सूचना मिली थी कि डिंपलाई नाम की फर्म, जो मुख्य रूप से स्क्रैप (कबाड़) के कारोबार से जुड़ी है, गलत तरीके से इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) का फायदा उठा रही है। मौके पर जांच करने पर व्यापारी द्वारा स्वप्रेरक इन आईटीसी (ITC में अचानक भारी उछाल) के दायरे में पाया गया। गड़बड़ी पकड़े जाने पर विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए व्यापारी से मौके पर ही 40 लाख रुपये जमा करवाए हैं। जीएसटी में आईटीसी (Input Tax Credit) का खेल शातिर तरीके से खेला जाता है। इसमें कुछ लोग कागजों पर फर्जी कंपनियां बनाते हैं।

हैप्पी मॉर्निंग

मोहब्बत और भ्रष्टाचार कभी खत्म नहीं होते..बस बाबू बदल जाते हैं

हमारा पता
एनबीटी गाजियाबाद
13/1, साहिबाबाद इंडस्ट्रियल एरिया, साइट-4
email: nbtreader@timesofindia.com

CCI NG 3.7 Product: DelhiMasalamixBS PubDate: 21-01-2026 Zone: TIMSTHA Edition: 1 Page: HDTHAPG2 User: cci Time: 01-20-2026 23:20 Color:

फटाफट खबरें

काशी मसले पर AAP का प्रदर्शन

■ NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद : वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर प्राचीन मंदिरों को तोड़े जाने के विरोध में आम आदमी पार्टी (आप) ने मंगलवार को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। आप कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर इसे हिंदू आस्था और सनातन संस्कृति पर सीधा हमला करार दिया। जिलाध्यक्ष निर्मित यादव ने कहा कि मणिकर्णिका घाट करोड़ों हिंदुओं की आस्था का केंद्र है। वहां के प्राचीन मंदिरों को ढहाना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि मणिकर्णिका घाट पर तोड़े गए मंदिरों का तुरंत पुनर्निर्माण कराया जाए। इस कार्रवाई के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त एक्शन लिया जाए। शैलेश कुमार, विजय शर्मा, रवि सिसोदिया और मनोज समेत भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रेलवे के विशेष बैंड ने गाया वंदेमातरम

■ NBT न्यूज, गाजियाबाद : रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को देशभक्ति का अद्भुत माहौल देखने को मिला। वंदे मातरम गीत के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर रेलवे सुरक्षा बल की ओर से प्लेटफॉर्म-3 और 4 पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रेलवे सुरक्षा बल के विशेष बैंड ने वंदे मातरम सहित कई देशभक्ति गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। जैसे ही बैंड ने अपनी धुन छेड़ी, प्लेटफॉर्म पर मौजूद यात्रियों की भीड़ उमड़ पड़ी। यात्रियों ने पूरे उत्साह के साथ तालियां बजाकर उत्साह बढ़ाया। देशभक्ति गीतों की धुन से स्टेशन का माहौल पूरी तरह राष्ट्रप्रेम के रंग में रंग गया।

इंडस्ट्रियल एरिया में नाले का निर्माण शुरू

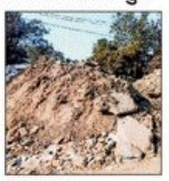

■ NBT रिपोर्ट, टीएचए : उत्तर प्रदेश स्टेट इंडस्ट्रियल डिवेलपमेंट अथॉरिटी (यूपीसीडा) की तरफ से साहिबाबाद इंडस्ट्रियल एरिया में जर्जर नालों की मरम्मत का काम शुरू हो गया है। करीब 63 किलोमीटर लंबी नालियों की मरम्मत की जानी है। इसमें 57 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस पूरे प्रोजेक्ट से पहले नालों का सर्वे आईआईटी मुंबई की तरफ से किया गया है। हालांकि इस निर्माण के कारण सड़क के चारों तरफ खुदाई में निकली नालों की सिल्ट और मिट्टी होने से राहगीरों को काफी समस्या हो रही है। यह काम कौशांबी से वसुंधरा की तरफ जाने वाली लेन से शुरू किया गया है। वहीं, यूपीसीडा के डीजीएम आरएस यादव ने बताया कि जब तक काम होगा लोगों को थोड़ी परेशानी शुरू होगी। इसलिए अलग-अलग लेन से काम शुरू किया जा रहा है।

SIR में 'लापता' हुए वोटर्स को तलाशने में मदद करेंगे संगठन

ADM ने बैठक कर विभिन्न संस्थाओं से आगे आने की अपील की

■ NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद

विशेष मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के दौरान बड़ी संख्या में वोटरों के नाम कटने के बाद अब तमाम आला अधिकारी से लेकर बूथ लेवल ऑफिसर तक एक्टिव हो चुके हैं। पिछले रविवार को खुद राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जिले का दौरा कर कई अहम निर्देश दिए थे। इसमें कर्मचारियों से लेकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मदद लेकर वोटर लिस्ट अपडेट कराने का आदेश दिया था। इसी कड़ी में वोटर लिस्ट को दुरुस्त करने और नए वोटर्स के नाम जोड़ने की कवायद ने अब रफ्तार पकड़ ली है। जिलाधिकारी के निर्देश पर एडीएम और उप जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ भट्ट की अध्यक्षता में मंगलवार को एक बड़ी बैठक हुई। इसमें शहर के अलग-अलग संगठनों जैसे ट्रांसपोर्ट और बार असोसिएशन, व्यापार मंडल, आईएमए, नर्सिंग स्टाफ संघ, सिविल डिफेंस, मीडिया असोसिएशन और आरडब्ल्यूए/एओए के प्रतिनिधि शामिल रहे। इस दौरान एडीएम सौरभ भट्ट ने बताया कि वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने या सुधरने (दावे और आपत्तियां) के लिए 6 फरवरी तक का समय तय किया गया है। एक बड़ा शहरी इलाका है, जहां बाहर से आकर काम करने वाले कर्मचारियों और मजदूरों की संख्या बहुत ज्यादा है। अक्सर ऐसा होता है कि एक जगह से दूसरी जगह शिफ्ट होने के चक्कर में इन लोगों के नाम वोटर लिस्ट में नहीं आ पाते। प्रशासन ने सभी संगठनों के प्रतिनिधियों से अपील की है कि वे अपने यहां काम करने वाले ऐसे सभी कर्मचारियों और मजदूरों से फार्म-6 भरवाएं और उसे संबंधित बीएलओ या ईआरओ के पास जमा करा दें। लोग ऑनलाइन पोर्टल (voters.eci.gov.in) के जरिए भी नाम जुड़वा सकते हैं।

एडीएम और उप जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में बड़ी बैठक हुई

- पिछले रविवार को खुद राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जिले का दौरा कर कई अहम निर्देश दिए थे
- प्रशासन ने सभी संगठनों के प्रतिनिधियों से अपील की है कि वे अपने यहां काम करने वाले ऐसे सभी कर्मचारियों और मजदूरों से फार्म-6 भरवाएं

खसरे के 3 केस आने के बाद 200 बच्चों का टीकाकरण

मंगलवार को अंकुर विहार में पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम

■ NBT न्यूज, गाजियाबाद

स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश के बाद गाजियाबाद में खसरा नियंत्रण को लेकर विशेष अभियान चलाया गया। सीएमओ डॉ. अखिलेश मोहन ने बताया कि मंगलवार को लोनी क्षेत्र के अंकुर विहार में 200 बच्चों का खसरा का टीकाकरण किया गया। अभियान का उद्देश्य खसरा के प्रसार को रोकना है। सीएमओ ने बताया कि सोमवार को लोनी के अमित विहार और राहुल गार्डन क्षेत्र में भी स्वास्थ्य विभाग की टीम ने करीब 200 बच्चों की जांच की, जिसमें तीन बच्चे खसरा से ग्रसित मिले थे। बच्चों में खसरा की पुष्टि होने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी। सीएमओ ने सीएससी लोनी में तैनात डॉक्टर नवनीत को हटाकर उनकी जगह डॉक्टर राहुल गुप्ता को तैनात किया है। विभाग की टीम घर-घर जाकर बच्चों की जांच कर रही है। टीकाकरण से वंचित बच्चों को टीके लगाए जा रहे हैं।

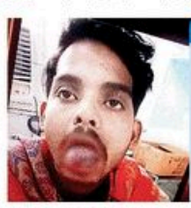

खाना स्वादिष्ट नहीं बनाने की शिकायत पर काटी पति की जीभ

■ NBT न्यूज, मोदीनगर

संजयपुरी कॉलोनी में खाना स्वादिष्ट न बनाने की शिकायत करने पर गुस्से में पत्नी ने पति की जीभ काट दी। बाद में कटी जीभ बिस्तर पर ही फेंक कर मायके चली गई। परिजनों का कहना है कि महिला शराब पीने की आदी थी। इसी को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था। पीड़ित की मां ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी पत्नी और उसके माता-पिता को हिरासत में ले लिया।

संजयपुरी कॉलोनी निवासी विपिन कुमार एक फैक्ट्री में नौकरी करते हैं। उनकी शादी करीब छह माह पहले मलियाना फाटक, मेरठ निवासी ईशा से हुई थी। विपिन की मां का आरोप है कि उनकी बहू शराब और सिगरेट पीने की आदी है। वह अक्सर सोशल मीडिया पर विडियो बनाने में व्यस्त रहती थी। इसको लेकर घर में कलह रहती थी। परिजनों के अनुसार सोमवार को भी शराब पीने को लेकर दोनों में विवाद हुआ था। रात में पत्नी ने विपिन को खाना दिया। खाने के दौरान पति ने खाना स्वादिष्ट न होने की बात कही। इसको लेकर दोनों में फिर से विवाद हो गया। कुछ देर बाद विपिन तो सो गया जबकि पत्नी जागती रही। रात करीब एक बजे महिला ने पति का मुंह खोलकर अपने दांतों से उसकी जीभ काट ली। जीभ कटने से लहूलुहान हालत में वह दूसरे कमरे में पहुंचा, जहां परिजन सो रहे थे।

'पति पर करता था मारपीट'

पुलिस हिरासत में मौजूद आरोपी महिला का कहना है कि पति अक्सर उसके साथ मारपीट करता था। खाने में हमेशा कमियां निकालता था। सोमवार को भी विपिन ने खाने को लेकर महिला के साथ मारपीट की थी। रोज-रोज की मारपीट के चलते उसे गुस्सा आ गया था।

ठंड से मिली राहत, पर बढ़ गया रात का पारा

■ NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद : मौसम का मिजाज एक बार फिर बदल गया है। पिछले 24 घंटों के दौरान लोगों को कड़ाके की ठंड से राहत मिली है, लेकिन मौसम विभाग की मानें तो पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से 48 घंटों में तापमान में हल्की गिरावट आने की संभावना है। हालांकि कोहरा कम रहेगा। बीते एक दिन की बात करें तो न्यूनतम तापमान में अचानक 4 से 6 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। अचानक ठंड के कमजोर पड़ने की मुख्य वजह हवा की दिशा में बदलाव को माना जा रहा है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान में भी सुधार देखा गया। हालांकि, प्रदूषण अभी भी चिंता का विषय बना हुआ है और वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 393 के स्तर पर पहुंच गया है, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है।

APK फाइल भेज ₹6.34 लाख हड़पे

■ NBT न्यूज, हापुड़ : थाना हाफिजपुर क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति को साइबर ठगों ने एंड्रॉइड पैकेज किट (एपीके) फाइल भेजकर खाते से 6.34 लाख रुपए उड़ा दिए। हाफिजपुर क्षेत्र निवासी जितेंद्र सिंह ने बताया कि उनके फोन पर एक एपीके फाइल आई थी। यह फाइल अपने आप डाउनलोड हो गई, जिसके बाद उनका फोन काम करना बंद कर दिया था। दो बार में उनके खाते से कुल 6.34 लाख निकाल लिए।

बच्ची को कुचला, मौत

■ NBT न्यूज, हापुड़ : थाना गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र के बृजघाट में सड़क पर खेल रही एक चार साल की मासूम बच्ची को एक वाहन ने कुचल दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। होली चौक के पास कुछ परिवार रहता है। डमरू अपनी पत्नी बादल व बेटी गुड़िया (4) के साथ रहता है। मंगलवार को गुड़िया घर के पास खेल रही थी तभी एक वाहन ने उसे कुचल दिया और फरार हो गया।

एनएचएआई के पूर्व GM के खिलाफ समन जारी

■ NBT न्यूज, आरडीसी

विशेष ईडी कोर्ट ने एनएचएआई के पूर्व जीएम सूरज प्रकाश और उनके परिजनों के खिलाफ धन शोधन के मामले में संज्ञान लेते हुए समन जारी किया है। विशेष न्यायाधीश अनंत प्रकाश सिंह ने आरोपियों को तीन फरवरी को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है।

मामला वर्ष 2009 से 2022 के कार्यकाल से जुड़ा है, जिसमें सूरज प्रकाश पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप हैं। जांच में सामने आया कि सूरज प्रकाश, उनकी पत्नी ईशा गुप्ता, बेटे शशांक सिंघल और बेटी श्रेया सिंघल ने मिलकर अवैध धन को विभिन्न वित्तीय साधनों और संपत्तियों में निवेश किया। जांच के अनुसार, कार्यकाल की शुरुआत में उनकी कुल संपत्ति करीब 33 लाख रुपये थी, जो 2022 तक बढ़कर 8.35 करोड़ रुपये से अधिक हो गई। यह वृद्धि उनकी ज्ञात वैध आय से लगभग 156 प्रतिशत अधिक बताई गई है। ईडी ने यह भी पाया कि परिवार ने वैध आय से करीब 6.80 करोड़ रुपये अधिक खर्च या निवेश किया।

युवक की मौत मामले में एफआईआर के आदेश : युवक की मौत के मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट गाजियाबाद ने थाना कविनगर पुलिस को मुकदमा दर्ज कर विवेचना के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने धारा 173(4) बीएनएसएस के तहत दाखिल प्रार्थना पत्र स्वीकार करते हुए कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से प्रथम दृष्टया गंभीर संज्ञेय अपराध बनता है। वादी रानेंद्र शर्मा ने बताया कि पुत्र बिंदु कुमार का कंपनी मालिक सुबोध गुप्ता व उसके गांव के रहने वाले नंदू प्रजापति, पिंटू, सुमेर, बंटी, मुन्नी, रवी, मुकेश प्रजापति समेत अन्य लोगों से विवाद चल रहा था। वादी के अनुसार 17 जुलाई 2024 को कंपनी मालिक ने पुत्र को फोन कर कंपनी बुलाया। अगले दिन 18 जुलाई को उन्हें सूचना मिली कि कविनगर औद्योगिक क्षेत्र स्थित रेलवे ट्रैक पर पुत्र की ट्रेन से कटकर मौत हो गई है। वादी का आरोप है कि बेटे की हत्या की गई है। घटना की सूचना थाना स्तर पर देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। कोर्ट ने पत्रावली के अवलोकन के बाद कहा कि मामले की वास्तविक स्थिति विवेचना से ही स्पष्ट हो सकती है।

25 साल पुराने मारपीट मामले में आरोपी बरी

■ NBT, न्यूज, आरडीसी : कोतवाली थाना क्षेत्र में 25 साल पुराने मारपीट और धमकी के मामले में कोर्ट ने आरोपी इरफान उर्फ भगत को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। यह आदेश अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, कोर्ट संख्या-1 नेहा बनौधिया ने सुनाया। कोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार, शौकत कुरैशी ने वर्ष 2000 में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप था कि 28 अगस्त 2000 की रात आरोपी ने रास्ते में मारपीट की और बाद में हथियार लेकर घर में घुसकर हमला किया तथा जान से मारने की धमकी दी थी।

बाइक की टक्कर डॉक्टर घायल

■ NBT न्यूज, मोदीनगर : दिल्ली-मेरठ मार्ग पर बाइक की टक्कर से स्कूटी सवार डॉक्टर घायल हो गया। किदवईनगर कॉलोनी निवासी सईद अहमद चिकित्सक हैं। उन्होंने बताया कि सोमवार को स्कूटी से जा रहे थे। अंबर सिनेमा के पास बाइक ने स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में सईद गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया।

हापुड़ के थाना धौलाना क्षेत्र के यूपीएसआईडीसी क्षेत्र में कोहरे के कारण डंपर डिवाइडर पर चढ़ गया। हादसे में ड्राइवर बाल-बाल बच गया। पुलिस ने बताया कि कोहरे के कारण डंपर चालक को डिवाइडर दिखाई नहीं दिया और वाहन उस पर चढ़ गया था, कोई हानि नहीं हुई।

शेयर ट्रेडिंग और टास्क पूरा करने का झांसा देकर ₹19 लाख हड़पे

■ NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद

साइबर ठगों ने शेयर ट्रेडिंग और टास्क पूरा कर कमाई कराने का झांसा देकर दो लोगों से 19 लाख रुपये ठग लिए। शातिरों ने अलग-अलग कई खातों में रकम ट्रांसफर कराई। रकम वापस नहीं मिली तो दोनों पीड़ितों ने साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कराया है।

वैशाली खंड निवासी प्रदीप सोलंकी ने बताया कि वाट्सऐप ग्रुप में जोड़ा गया, जहां वेल्थ एडवाइस का संस्थापक बताने वाले शख्स ने शेयर ट्रेडिंग और आईपीओ में मुनाफा दिलाने का दावा किया। बाद में एक महिला ने फर्जी ट्रेडिंग और आईपीओ ऐप डाउनलोड कराए। ऐप पर मुनाफा दिखाकर छह से आठ जनवरी के बीच 9.50 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। शुरुआत में एक हजार रुपये निकालने की अनुमति देकर भरोसा दिलाया। बाद में और रकम मांगने लगे। रकम वापस नहीं मिली, तो ठगी का अहसास हुआ।

मुरादनगर के ग्राम सुराना निवासी तुषार यादव ने शिकायत में बताया कि उनके पास एक अनजान नंबर से कॉल आई। कॉलर ने कैशबैक और ऑनलाइन टास्क के जरिए मुनाफा दिलाने का लालच दिया। शातिर ने अलग-अलग खाते और यूपीआई आईडी पर रुपये ट्रांसफर कराए। उन्होंने अपने और पिता के खातों से नवंबर और दिसंबर 2025 के बीच कई बार यूपीआई और आईएमपीएस के जरिए रकम ट्रांसफर की। उनसे 9.30 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। उन्हें केवल 20 हजार रुपये ही वापस किए गए थे। एडीसीपी क्राइम पीयूष सिंह ने बताया कि ठगी गई रकम को फ्रीज कराने का प्रयास किया जा रहा है।

साइबर ठगी

■ दोनों पीड़ितों ने साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कराया

संभव जनसुनवाई में निर्माण विभाग की ज्यादा शिकायतें

■ NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद

नगर निगम मुख्यालय में आयोजित संभव जनसुनवाई कार्यक्रम में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान कुल 23 संदर्भ प्राप्त हुए। प्राप्त संदर्भों में निर्माण विभाग से 8, स्वास्थ्य विभाग से 5, उद्यान विभाग से 3, पार्किंग से 3, पशु चिकित्सा विभाग से 2, अतिक्रमण से 1 और नजारत विभाग से 1 मामला शामिल रहा। नगर आयुक्त ने कहा कि संभव में आने वाली शिकायतों का त्वरित और प्रभावी निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। संभव के दौरान पार्षदों ने भी नगर आयुक्त के साथ शहर के विकास कार्यों को लेकर चर्चा की। सामाजिक संस्थाओं ने भी शहर में चल रहे कार्यों और सुझावों को रखा। जनसुनवाई में अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव, अवनींद्र कुमार, मुख्य अभियंता नरेंद्र कुमार चौधरी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश सहित अन्य मौजूद रहे।

23 को सोसायटियों में गूंजेंगे विद्या और संगीत के स्वर

■ NBT रिपोर्ट, टीएचए/गाजियाबाद

विद्या, बुद्धि और कला की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती के पूजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह चरम पर है। इस वर्ष 23 जनवरी को बसंत पंचमी के पावन अवसर पर भव्य सरस्वती पूजन का आयोजन किया जाएगा। आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। वहीं, बंगाली समाज के लोगों ने भी पूजा की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

इसी क्रम में शिप्रा रिवेरा सोसायटी में भी यह आयोजन छत्र पूजा समिति की तरफ से किया जा रहा है। समिति के सदस्यों ने मिलकर आयोजन को यादगार बनाने की तैयारी की है। इस दौरान सुबह 9 बजे पूजा अर्चना की जाएगी। शाम 4 बजे महिला मंडली की तरफ से भजन कीर्तन कार्यक्रम किया जाएगा। शाम को आरती होगी। 24 जनवरी को सुबह हवन पूजन के बाद भंडारा कार्यक्रम और शाम को मूर्ति विसर्जन कार्यक्रम किया जाएगा।

आयोजकों का कहना है कि सरस्वती पूजन केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और शिक्षा के महत्व से जोड़ने का माध्यम भी है। वसुंधरा सेक्टर-4 में स्थित नेता जी सुभाष चंद्र बोस पार्क में शुक्रवार को पूर्वांचल सांस्कृतिक विकास समिति की तरफ से 10वां मां सरस्वती पूजा समारोह का आयोजन किया जा रहा है। अभिषेक पूजन से कार्यक्रम का शुभारम्भ होगा। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम और भजन संध्या होगी।

बसंत पंचमी के पावन अवसर पर भव्य सरस्वती पूजन का आयोजन किया जाएगा

बार चुनाव : पहले दिन 1570 वोट पड़े

■ NBT न्यूज, आरडीसी : उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के सदस्य चुनाव के पहले दिन गाजियाबाद कचहरी में मंगलवार को 1570 अधिवक्ताओं ने मतदान किया। मतदान बुधवार को भी जारी रहेगा। बार सचिव वरुण त्यागी ने बताया कि जिले में कुल 4,858 पंजीकृत अधिवक्ता हैं।

पहले दिन सुबह 10 बजे शुरू हुए मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। अधिवक्ताओं के कार्यविरत रहने के कारण नियमित मामलों की सुनवाई नहीं हो सकी, हालांकि अत्यावश्यक मामलों में कोर्ट ने आवश्यक आदेश पारित किए।

अवैध पटाखा फैक्ट्री का भंडाफोड़ 200 kg विस्फोटक जब्त, अरेस्ट

■ NBT न्यूज, हापुड़

पुलिस ने कुचेसर चौपला के फतेहपुर इलाके में एक अवैध पटाखा फैक्ट्री का भंडाफोड़ कर भारी मात्रा में प्रतिबंधित पटाखे और कच्चा माल बरामद किया। इसकी कीमत करीब पांच लाख रुपये आंकी जा रही है। मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार भी किया गया।

बाबूगढ़ क्षेत्र के कुचेसर चौपला के फतेहपुर क्षेत्र में एक मकान के भीतर अवैध रूप से पटाखों का निर्माण और भंडारण की सूचना मिली। इस पर टीम ने मकान के अंदर से बड़ी मात्रा में पटाखे, विस्फोटक सामग्री और उनके निर्माण में प्रयुक्त होने वाले उपकरण बरामद किए। पुलिस ने गाजियाबाद निवासी एक आरोपी नदीम को गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी मुनीश प्रताप सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी गाजियाबाद के गांव फर्रुखनगर, थाना टीला मोड़ निवासी नदीम अपने अन्य फरार साथियों के साथ मिलकर फतेहपुर कुचेसर चौपला स्थित राहुल के किराए के मकान में पटाखे तैयार कर आस-पास क्षेत्रों में सप्लाई कर कमाई कर रहा था। आरोपी से ढाई कुंतल ग्रे कॉटन पाउडर बरामद किया, जिसे अत्यंत ज्वलनशील और विस्फोटक सामग्री माना जाता है। इसके साथ ही बड़ी संख्या में बने और अधबने कैंडल, कच्चा माल तथा निर्माण में प्रयुक्त उपकरण भी बरामद किए गए।

हापुड़ में एक्शन

- अवैध रूप से चल रही पटाखा फैक्ट्री का भंडाफोड़
- पांच लाख रुपये का माल बरामद, एक आरोपी अरेस्ट

22 से सांसद खेल प्रतियोगिता शुरू, 8 इवेंट शामिल होंगे

■ NBT न्यूज, जीटी रोड : महामाया स्टेडियम में 22-23 जनवरी को सांसद खेल स्पर्धा के तहत बालक-बालिकाओं व पुरुष-महिलाओं की प्रतियोगिताएं होंगी। इनमें एथलेटिक्स, कबड्डी, कुश्ती, वालीबॉल, फुटबॉल, मार्शलआर्ट, जूडो व बैडमिंटन के खेल शामिल हैं। प्रतियोगिताओं के विजेताओं का पता लगाने के लिए पहली बार फोटो फिनिश **कम्प्यूटराइज्ड** का प्रयोग किया जाएगा। जिला क्रीड़ाधिकारी अभिषेक कुमार ने बताया कि इस दौरान बालक-बालिकाओं का चयन जोन टीम के लिए भी किया जाएगा। साथ ही अंडर-16 एथलेटिक्स की टैलेंट सर्च प्रतियोगिता का आयोजन भी होगा।

अंडर-16 एथलेटिक्स की टैलेंट सर्च प्रतियोगिता का आयोजन भी होगा

सड़क किनारे डाला जा रहा मेडिकल वेस्ट

■ NBT रिपोर्ट, टीएचए

गाजियाबाद नगर निगम एक तरफ स्वच्छता के बड़े-बड़े दावे करता है, लेकिन अपनी प्रमुख सड़कों को साफ रखने में ही नाकामयाब साबित हो रहा है। नगर निगम के अंतर्गत आने वाली मुख्य सड़क जहां से कई बार वीआईपी विजिट भी होती है वहां पर सी एंड डी वेस्ट (मेडिकल वेस्ट) इतनी बड़ी मात्रा में पड़ा हुआ है। वहीं, नगर निगम के अधिकारी इसे गाजियाबाद सीमा क्षेत्र में मानने से ही इनकार कर रहे हैं। अधिक जोर देने पर अधिकारी बस इतना जवाब देते हैं कि हम कर भी क्या सकते हैं? रात के अंधेरे में दिल्ली से लोग आकर यहां पर मलबा डालकर चले जा रहे हैं। जबकि हकीकत यह है कि एलिवेटेड रोड के हैंडओवर के बाद इस सड़क की मरम्मत और आस-पास की सफाई करना भी जीडीए ने छोड़ दिया है। गाजियाबाद से दिल्ली की तरफ जाने के बाद जैसे ही एलिवेटेड रोड खत्म होता है, उसके बाद 50 मीटर पर यह सड़क के दोनों तरफ मेडिकल वेस्ट पड़ा हुआ है। किसान आंदोलन के समय निगम की तरफ से ही इस जगह की साफ-सफाई का विशेष ध्यान दिया जाता था। वहीं पर आस-पास मोबाइल टॉयलेट भी लगाए जाते थे, लेकिन अब अधिकारी यह बोलकर यहां से वेस्ट नहीं उठा रहे हैं कि यह इलाका दिल्ली में आता है। ऊपर से बतौर अप्रोच रोड काम करता है, इसलिए इसके रख-रखाव की जिम्मेदारी भी नैशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) की है। निगम के चीफ इंजीनियर एनके चौधरी ने कहा कि यह सड़क दिल्ली सीमा क्षेत्र में है ऊपर से इसके रख-रखाव की जिम्मेदारी एनएचएआई की है। जो मलबा या सी एंड डी वेस्ट आ भी रहा है वह रात के अंधेरे में दिल्ली की तरफ से आकर लोग डालकर जाते हैं।

अधिकारी बोले- अंधेरे में दिल्ली से आकर यहां डाल जाते हैं

यूपी गेट के पास सड़क किनारे पड़ा सी एंड डी वेस्ट

कार्यक्रम | कार्यक्रम में उत्तराखंड की समृद्ध लोकसंस्कृति, धार्मिक आस्था एवं आपसी भाईचारे की झलक देखने को मिली

उत्तरैणी पर्व ने फैलाई उत्तराखंडी संस्कृति की सुगंध

■ NBT रिपोर्ट, सिद्धार्थ विहार

देवभूमि उत्तराखंड का खुशनुमा माहौल, मां नंदा देवी की डोली और उत्तराखंड ढोल दमाऊ वाद्य यंत्रों की धुन में झूमते समाज के लोग, ये नजारा संगम गौड़ सिद्धार्थम सोसायटी में आयोजित देवभूमि उत्तराखंड के पारंपरिक उत्तरायणी पर्व के दौरान देखने को मिला।

इस आयोजन में सोसायटी के 100 से अधिक उत्तराखंडी परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के माध्यम से उत्तराखंड की समृद्ध लोकसंस्कृति, धार्मिक आस्था एवं आपसी भाईचारे की सुंदर झलक देखने को मिली। इस भव्य कार्यक्रम के सफल और सुचारु आयोजन में समाज के अनेक सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम को सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने में विशेष रूप से पृथ्वी, घनश्याम, राकेश, पुष्कर, गणेश जोशी, नवीन जोशी, मुकुल, इंदर, अमित खत्री, हेम तिवारी, एलएम जोशी, विवेक ध्यानी, चंद्र बिष्ट, दीपक कांडपाल, अनिल रावत, मन्नू, दीपक रावत, मनोज जोशी आदि का सहयोग रहा।

सोसायटी के 100 से अधिक परिवारों ने भाग लिया

ऑरेंज काउंटी में पहाड़ी लोक संस्कृति की गूंज

■ NBT रिपोर्ट, इंदिरापुरम : त्योहारों के लिबास में खुशियां और सौहार्द जब आते हैं, तो वातावरण में एक नई ऊर्जा का संचार होता है। ऑरेंज काउंटी सोसायटी में उत्तरायणी और घुघुती पर्व के अवसर पर कुछ ऐसा ही वातावरण देखने को मिला। सोसायटी के लगभग 40 परिवारों ने सहभागिता की, जिनमें 20 से अधिक उत्तराखंडी परिवार शामिल रहे। सोसायटी परिसर में पहाड़ी लोक धुनों के बीच ढोल-दमाऊ, रणसिंघा, नगाड़ा और पारंपरिक

छोलिया नृत्य के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी आयु वर्ग के लोगों ने पारंपरिक वाद्य यंत्रों और लोकनृत्य के साथ उत्सव का आनंद लिया।

CCI NG 3.7 Product: DelhiMasalamixBS PubDate: 21-01-2026 Zone: TIMSTHA Edition: 1 Page: HDTHAPG3 User: vikas.sharma Time: 01-20-2026 23:30 Color:

फटाफट खबरें

सोने और हीरे के हार चोरी, मेड पर शक

■ NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद : कविनगर क्षेत्र की लैंडक्राफ्ट सोसायटी निवासी व्यक्ति के घर से सोने व हीरे के चार-पांच हार चोरी हो गए। मामले में सुधीर कुमार गुप्ता ने थाने में मेड सोनिया के खिलाफ केस दर्ज कराया है। सुधीर ने बताया कि घर पर करीब पांच महीने से रजापुर निवासी सोनिया काम कर रही है। घर से कैश, सोने व हीरे के चार-पांच हार चोरी हो गए। घर में कोई बाहर से आया भी नहीं है। केवल सोनिया ही काम करने आती है। एसीपी कविनगर सूर्यबली मौर्य का कहना है कि मामले में केस दर्ज कर लिया गया है।

झांसा देकर साढ़े तीन लाख रुपये ठगे

■ NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद : साइबर ठगों ने घर बैठे कमाई का झांसा देकर व्यक्ति से साढ़े तीन लाख रुपये ठग लिए। शातिरों ने पहले ऑनलाइन कार्य कराकर खाते में 900 रुपये भेजे और फिर प्रीपेड टास्क के नाम पर रकम ट्रांसफर कराकर ठगी की। मामले में पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की है। नंदग्राम डी-ब्लॉक निवासी राजेश वर्मा का कहना है कि वॉट्सऐप पर श्रुति शर्मा नाम की महिला का मैसेज आया। उसने घर बैठे कमाई का झांसा दिया था। पुलिस का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है।

नोएडा टेंडर घोटाला मामले में दी गवाही

■ NBT न्यूज, आरडीसी : नोएडा प्राधिकरण के टेंडर घोटाले और यादव सिंह से जुड़े आय से अधिक संपत्ति के मामलों में कोर्ट में सुनवाई जारी है। मंगलवार को सीबीआई की विशेष कोर्ट में टेंडर घोटाले में विवेचक राजेश कुमार सिंह कोर्ट में बयान दर्ज कराया। अगली सुनवाई 22 जनवरी होगी। उधर, सीबीआई द्वारा मामला दर्ज किए जाने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी धनशोधन के आरोपों की जांच शुरू की थी। कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए छह मार्च की तारीख लगाई है।

41 दिन बाद बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज

■ NBT न्यूज, लोनी : पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में 41 दिन बाद रिपोर्ट दर्ज की है। खजूरी दिल्ली के रहने वाले विवेक पाल ने बताया कि 8 दिसंबर 2025 लाल बाग मंडी में सब्जी लेने गया था। वहीं से उसकी बाइक चोरी हो गई थी। वहीं, बेहटा हाजीपुर के रहने वाले अंकुर धामा ने बताया कि 27 दिसंबर 2025 को चोरों ने घर के बाहर से बाइक चोरी कर ली। पुलिस ने 23 दिन बाद रिपोर्ट दर्ज की है। उत्तरांचल विहार कॉलोनी निवासी रवि शर्मा ने बताया कि 9 जनवरी 2026 घर के सामने से बाइक चोरी हो गई थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हादसे में घायल युवक की मौत

■ NBT न्यूज, मोदीनगर : गांव सीकरी कलां के पास ट्रक की टक्कर से घायल युवक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। गांव बेगमाबाद बुढ़ाना निवासी राजू रविवार रात सीकरी कलां के पास पैदल जा रहा था। इसी बीच ट्रक ने उसे कुचल दिया। इलाज के दौरान देर रात राजू की मौत हो गई। मोदीनगर-हापुड़ मार्ग पर भोजपुर स्थित पेट्रोल पंप के सामने ट्रक ने कार में टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार पीएम आवास योजना के बुलंदशहर के जिला समन्वयक उज्ज्वल गिरि घायल हो गए।

बड़े भाई की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

■ NBT न्यूज, हापुड़ : बहादुरगढ़ क्षेत्र में 50 हजार रुपये के विवाद में बड़े भाई की हत्या के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अंबेडकर नगर मोहल्ला निवासी उमेश (32) गुरुवार देर रात्रि शराब पीकर घर आया और पत्नी संगीता से नौकरी के लिए 50 हजार रुपये मांगे। रकम न मिलने पर उमेश ने मारपीट व घर में तोड़फोड़ की, जिससे क्षुब्ध छोटा भाई हिमांशु ने चाकू से उसकी हत्या कर दी और फरार हो गया। थाना प्रभारी निरीक्षक धीरज मलिक ने बताया कि आरोपी को सेहल नहर पुल पर बनी पुलिस चौकी के कमरे के पास से गिरफ्तार किया है।

चोरी करने वाले छह बदमाश अरेस्ट

■ NBT न्यूज, हापुड़ : थाना बहादुरगढ़ पुलिस ने बंद मकानों, दुकानों व नलकूपों में चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा किया है। इसमें एक नाबालिग सहित 6 सदस्यों को पकड़ा है। आरोपियों से चोरी किया गया सामान, ज्वेलरी व दो वाहन बरामद किए हैं। एसपी विनीत भटनागर ने बताया कि पुलिस ने बहादुरगढ़ निवासी फिरोज, जीशान, सिम्भावली निवासी फैसल उर्फ हसन, अय्यूब, अजहर व एक नाबालिग को पकड़ा है। चोरों ने थाना बहादुरगढ़, गढ़मुक्तेश्वर, सिम्भावली व बाबूगढ़ क्षेत्रों से चोरी की घटनाएं स्वीकारी हैं।

91 घंटे बाद निकाली कार, बिल्डर अरेस्ट

सर्च ऑपरेशन के दौरान मौके पर केवल एसीपी स्तर के अधिकारी ही मौजूद दिखे

■ NBT रिपोर्ट, नोएडा

नोएडा के सेक्टर-150 में बेसमेंट के गड्ढे में भरे सीवर के पानी में डूबने से इंजीनियर की मौत मामले में मंगलवार को एक्शन भरा दिन रहा। आरोपी बिल्डर को मंगलवार सुबह पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। दोपहर में जांच करने के लिए एसआईटी भी पहुंच गई और शाम को सात बजे एनडीआरएफ की टीम ने डूबी हुई कार को तलाश कर निकाल लिया। घटना के 91 घंटे बाद ये कार निकाली गई।

16 जनवरी की रात इंजीनियर युवराज मेहता कार सहित सेक्टर-150 में कोहरे के बीच बेसमेंट के लिए खुदे गड्ढे में गिर गए थे। बचाव के लिए पर्याप्त समय होने के बावजूद पुलिस, फायर विभाग और एसडीआरएफ की टीम उन्हें बचा नहीं सकी थी। युवराज के पिता ने बिल्डर पर केस दर्ज कराया था। पुलिस ने मंगलवार सुबह आरोपी एमजेड विजटाउन प्लानर्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर अभय कुमार को सेक्टर-150 नोएडा से गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली के कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज निवासी अभय पर गैर इरादतन हत्या और लापरवाही से किसी की मौत के कारण बनने के आरोप हैं।

सनरूफ और फ्रंट शीशा टूटा हुआ मिला

सर्च ऑपरेशन के बाद कार को पानी से निकला गया तो उसका सनरूफ और फ्रंट का शीशा टूटा हुआ था। आशंकाएं लगाई जा रही हैं कि युवराज सनरूफ तोड़कर कार की छत पर जा बैठे थे।

दोपहर में जांच करने के लिए एसआईटी भी मौके पर पहुंची और शाम 7 बजे NDRF ने कार निकाली

16 जनवरी की रात में युवराज मेहता अपनी कार समेत गहरे खुदे गड्ढे में गिर गए थे, हो गई थी मौत

नोएडा-सेक्टर 150 हादसा

नाले से करीब 30 मीटर दूर डूबी कार

सर्च अभियान के दौरान एक सिविल इंजीनियर ने बताया कि जिस कार की तलाश की जा रही थी, वह नाले से करीब 30 मीटर दूर पानी में डूबी मिली, जहां उसे एनडीआरएफ की टीम ढूंढ रही थी। हालांकि, मौके पर मौजूद टीमों के बीच भी लोकेशन को लेकर स्पष्टता नजर नहीं आई। इसी असमंजस का नतीजा यह रहा कि पूरे वक्त सर्च ऑपरेशन कई बार दिशा बदलता दिखा।

12 बजे SIT नोएडा अथॉरिटी पहुंची

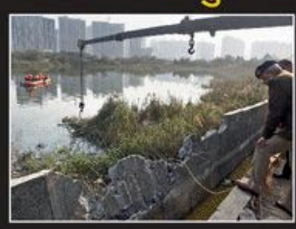

दोपहर करीब 12 बजे स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) नोएडा अथॉरिटी पहुंची। यहां टीम ने अधिकारियों से अब तक स्पॉट पर न जाने को लेकर नाराजगी जाहिर की। डीएम मेधा रूपम व पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह की मौजूदगी में मृतक के पिता राजकुमार मेहता के बयान भी दर्ज किए गए। एडीजी भानु भास्कर ने मीडिया से कहा कि पांच दिन में उनकी अध्यक्षता में गठित टीम को अपनी रिपोर्ट सौंपनी है। पुलिस, अथॉरिटी, फायर या अन्य एजेंसी में जो भी दोषी होंगे, उनके बारे में रिपोर्ट में बताया जाएगा। किसकी गलती से हादसा हुआ और क्या और कर सकते थे, इस पर विस्तृत रिपोर्ट दी जाएगी। वहीं, दोपहर करीब साढ़े तीन बजे एसआईटी की टीम घटनास्थल पर पहुंची। यहां साइट को देखा।

30 से ज्यादा बार पानी में उतरे जवान

एनडीआरएफ के दो जवान ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ 30 से अधिक बार गंदे पानी में उतरे। गंदा पानी, शून्य के करीब विजिबिलिटी और दलदल सर्च ऑपरेशन में सबसे बड़ी बाधा बनकर सामने आए। अधिकारियों का कहना है कि कार गिरने के बाद दलदल के भीतर धंस गई है, जिसकी वजह से उसका पता लगाना मुश्किल हो रहा था। घंटों की मशक्कत के बावजूद टीम को सफलता मिली। वहीं अभी युवराज का मोबाइल फोन, लैपटॉप और पर्स का तलाश नहीं जा सका है।

मुनेंद्र व उसके परिवार ने पुलिस पर लगाए आरोप

सीनियर अधिकारियों के मौके पर पहुंचने की सूचना पर मुनेंद्र और उनके परिवार के लोग भी मौके पर पहुंचे। मुनेंद्र ने कहा है कि पुलिस उन पर मीडिया में बयान न देने को लेकर प्रेशर बना रही है। उनके परिवार ने कहा कि पुलिस की ओर से कुछ लोग उनके घर जाकर मुनेंद्र से कुछ दिनों के लिए बाहर जाने को बोल रहे हैं। एनकाउंटर की धमकी दी जा रही है, लेकिन वे डरेंगे नहीं। अगर इंजिनियर को बचाने में उनके बेटे की जान भी चली जाती तो भी गम न होता, लेकिन अब अपनी जान को खतरे में डाल कर उसे बचाने के लिए गंदे व गहरे पानी में उतरे मुनेंद्र को ही परेशान किया जा रहा है।

- रेस्पॉन्स टाइम दावों में नंबर-2, पर रेस्क्यू के वक्त न क्रेन थी, न प्लान, पेज : 3

अथॉरिटी के बोर्ड रूम में घटना से जुड़े पहलुओं की जांच, डीएम व सीपी भी थीं

NBT रिपोर्ट, नोएडा: सेक्टर-150 की घटना की जांच के लिए बनी एसआईटी मंगलवार को नोएडा अथॉरिटी पहुंची। करीब सवा 12 बजे तक एसआईटी की टीम ने अथॉरिटी के बोर्ड रूम में घटना से संबंधित सभी पहलुओं की जांच की। इस दौरान नोएडा अथॉरिटी के अधिकारियों के अलावा डीएम मेधा रूपम व पुलिस कमिश्नर भी मौजूद रहीं। 3 बजे पूरा काफिला सेक्टर-150 घटना स्पॉट के लिए रवाना हो गया। इसके बाद 5 बजे फिर से एसआईटी की टीम नोएडा अथॉरिटी वापस आ गई और देर शाम तक जांच चलती रही।

वहीं, सेक्टर-150 की घटना के बाद नोएडा अथॉरिटी के सीईओ हटने के बाद नोएडा अथॉरिटी में खलबली का माहौल है। अथॉरिटी के ग्रुप हाउसिंग व प्लानिंग विभाग से लेकर नोएडा ट्रैफिक सेल विभाग सबसे ज्यादा निशाने पर है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एसआईटी की टीम ने संबंधित प्लॉट के बारे में अथॉरिटी के अधिकारियों व विस्तार से पूछा कि कब से प्लॉट में पानी भर रहा था। घटना के बाद अथॉरिटी के कौन कौन अधिकारी मौके पर गए। ट्रैफिक सेल विभाग ने अब तक वहां पर क्या किया। एक सप्ताह पहले नाले की दीवार में ट्रक धसने की घटना अथॉरिटी के संज्ञान में थी या नहीं थी। इसके अलावा भी कई तरह के सवाल अथॉरिटी के संबंधित विभागों के अधिकारियों व संबंधित जिम्मेदारों से पूछे गए।

पुलिस पर एक्शन न होने बोले एडीजी-हम जांच कर रहे

एडीजी भानु भास्कर से मीडिया ने सवाल उठाया कि इस मामले में अब तक पुलिस पर एक्शन क्यों नहीं हुआ तो उन्होंने कहा कि उनके संज्ञान में है। पांच दिन में उनकी अध्यक्षता में गठित टीम को अपनी रिपोर्ट सौंपनी है। जो भी दोषी होंगे उनके बारे में रिपोर्ट में बताया जाएगा। किसकी गलती से हादसा हुआ और क्या कम और कर सकते थे जिससे उसकी जान बच सकती थी इस पर विस्तृत रिपोर्ट दी जाएगी। अथॉरिटी, पुलिस और इमरजेंसी रेस्पांस टीम सबके रोल पर हम एग्जामिन कर रहे हैं।

एडीजी ने निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया, डीएम और कमिश्नर खामोश रहे

NBT न्यूज, ग्रेटर नोएडा: सर्च ऑपरेशन के दौरान घटनास्थल पर एडीजी के साथ एसआईटी टीम पहुंची। एडीजी ने मीडिया से बातचीत में दावा किया कि सभी संबंधित अधिकारियों से बात की जा रही है। साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और पीड़ित परिवार से संवाद कायम है। इस बीच युवराज मेहता के दोस्त भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि एसआईटी ने युवराज के पिता को नोएडा अथॉरिटी कार्यालय बुलाकर बयान दर्ज किया है।

मीडिया को नहीं दिए जवाब

दूसरी ओर डीएम और कमिश्नर से मीडिया ने सवाल पूछने के लिए उन्हें रोकने का प्रयास किया लेकिन उन्होंने मीडिया के सवालों के जवाब नहीं दिए। एडीजी ने मीडिया के सवालों पर कहा कि जांच हर पहलू से की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

लैपटॉप व फोन लेने पहुंचा दोस्त

दोस्त के मुताबिक कि वह कार के अंदर मौजूद लैपटॉप, मोबाइल और पर्स बरामद करने के लिए आए हैं। परिवार को उम्मीद है कि इन सामान से कुछ अहम सुराग मिल सकते हैं।

DME किनारे मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

■ NBT न्यूज, मोदीनगर

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के किनारे गांव कलछीना के पास मंगलवार सुबह युवक का शव मिला। आशंका है कि गोली मारकर हत्या के बाद शव को यहां फेंक दिया गया। पुलिस जांच के साथ मृतक की शिनाख्त का प्रयास कर रही है।

मंगलवार सुबह पेट्रोलिंग टीम दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर कलछीना के पास गश्त कर रही थी। इसी दौरान उनकी नजर शव पर पड़ी, जिसके आसपास पशुओं का जमावड़ा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर तलाशी ली, लेकिन पहचान संबंधी दस्तावेज बरामद नहीं हुआ। मृतक की उम्र करीब 29 वर्ष बताई जा रही है। सूचना पर फरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और साक्ष्य एकत्र किए। एसीपी मोदीनगर ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। एसीपी मोदीनगर अमित सक्सेना ने बताया कि युवक के सीने पर एक टैटू बना है, जिस पर जेएस लिखा है। मृतक की जल्द पहचान कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

गैंगरेप का फरार आरोपी अरेस्ट

■ NBT न्यूज, लोनी : ट्रोनिका सिटी थाना पुलिस ने गैंग रेप के मामले में फरार आरोपी सुशांत लोक गुरुग्राम के रहने वाले प्रद्युम्न बसोड को दिल्ली-सहारनपुर रोड स्थित पुस्ता चौकी के पास से अरेस्ट किया है। दूसरे आरोपी की तलाश जारी है। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि मध्यप्रदेश के गढ़कोटा निवासी शख्स पत्नी और नाबालिग बेटी के साथ ट्रोनिका सिटी क्षेत्र में रहते थे। आरोप है कि सितंबर में दोनों युवकों ने उसकी बेटी से गैंग रेप किया था।

फर्जी दस्तावेज़ पर बैनामा कर 15 लाख हड़पे

■ NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद

क्रासिंग रिपब्लिक क्षेत्र के सैदानीनगर अकबरपुर बहरामपुर निवासी महिला के साथ कुछ लोगों ने धोखाधड़ी की। फर्जी दस्तावेज के आधार पर प्लॉट का सौदा कर बैनामा करा दिया। आरोपियों ने 15 लाख रुपये हड़प लिए। वह प्लॉट पर निर्माण कराने पहुंची, तो वहां पहले से निर्माण हो रहा था। रुपये मांगने पर आरोपी धमकी दे रहे हैं। मामले में संतोष देवी ने पूर्वी दिल्ली निवासी पुष्पा, सतवीर, महेंद्र, राजीव कुमार, फुरकान और अन्य के खिलाफ केस दर्ज कराया है।

पीड़ित महिला ने पांच नामजद समेत अन्य के खिलाफ केस दर्ज कराया

शिकायत में संतोष देवी ने बताया कि पति विकास के दोस्त अनिल ने अपने साथी सतवीर, महेंद्र, राजीव कुमार और फुरकान व अन्य लोगों के साथ 55 वर्गगज का प्लॉट डूंडाहेड़ा अनंता एन्क्लेव में दिखाया। 15 लाख रुपये लेकर पूर्वी दिल्ली के फाजलपुर शकरपुर निवासी पुष्पा से प्लॉट का बैनामा उनके नाम कराया। जब वह प्लॉट पर निर्माण कार्य कराने के लिए गई तो वहां पहले से निर्माण चलता मिला। वहां मौजूद लोगों ने बताया उन्होंने यह प्लॉट 2012 में खरीदा था। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि मामले में जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

नोएडा में एलिवेटेड रोड पर कैंटर से टकराई लग्जरी कार, छात्रा की मौत

■ NBT रिपोर्ट, नोएडा

सेक्टर 49 मंगेल एलिवेटेड रोड पर मंगलवार तड़के साढ़े तीन बजे के करीब तेज रफ्तार जगुआर कार आगे चल रहे कैंटर से टकरा गई। हादसे में कार सवार एक छात्रा और तीन छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद कैंटर चालक फरार हो गया। घटना की सूचना सेक्टर 49 थाने की पुलिस को मिली, मौके पर जाकर पुलिस ने कार का गेट काटकर घायल छात्रों को बाहर निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान छात्रा मौत हो गई। कार सवार चारों छात्र नोएडा स्थित कॉलेज में पढ़ाई कर रहे हैं। सेक्टर 76 की तरफ एक लाइब्रेरी में साथ में पढ़ने जाते हैं। हादसे के समय चारों लाइब्रेरी से लौट रहे थे। पुलिस ने बताया कि जगुआर कार में नील पवार (18), आयुष भाटी (18), फलक (19), श्रेया (18) कार में सवार होकर मंगेल एलिवेटेड से अगाहपुर की तरफ जा रहे थे। घटना में मौके पर छात्रा फलक अहमद की मौत हो गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को अस्पताल भिजवाया।

पुलिस ने कार का गेट काटकर घायल स्टूडेंट्स को बाहर निकाला

हादसे में BJP नेता के बेटे समेत 3 की जान गई

■ NBT न्यूज, बुलंदशहर : गुलावठी में विधायक गांव के पास नैशनल हाइवे-334 पर भीषण सड़क हादसे में भाजपा किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष संजय त्यागी के बेटे अंकित, उनके निजी सुरक्षाकर्मी (PSO) महेश कुमार और दोस्त डॉ. आशुतोष पुनिया की जान चली गई। अंकित त्यागी भाजपा एमएलसी अश्वनी त्यागी के भतीजे थे। सभी लोग बुलंदशहर में जमीन देखने के बाद मेरठ लौट रहे थे, तभी उनकी कार डिवाइडर से टकराकर सड़क के दूसरी ओर ट्रक में जा घुसी। हादसा इतना भयानक था कि क्रेटा कार के परखच्चे उड़ गए। पुलिस के अनुसार, कार की रफ्तार काफी तेज थी। एसएसपी और एसपी सिटी समेत अधिकारियों ने राहत कार्य शुरू करवाया।

कोर्ट के आदेश पर भी कुलसचिव नहीं ले पाए चार्ज

■ NBT न्यूज, ग्रेटर नोएडा : गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी (जीबीयू) प्रशासन इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश की अनदेखी कर रहा है। हाई कोर्ट के आदेश के बाद डॉ. विश्वास त्रिपाठी मंगलवार को कुलसचिव पद का चार्ज लेने पहुंचे, लेकिन दूसरे दिन भी उन्हें बिना पदभार ग्रहण किए लौटना पड़ा। यूनिवर्सिटी परिसर में उनके ऑफिस पर ताला लगा हुआ है। ऐसे में अब आदेश की साफ अनदेखी हो रही है। बता दें कि पिछले दिनों गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी के वीसी प्रोफेसर राणा प्रताप सिंह और अन्य पर छात्रों की फीस, नियुक्ति और एक छात्र को परीक्षा की जिम्मेदारी देने के मामले के बाद लोकायुक्त ने जवाब मांगा था। इसके बाद वीसी ने कुलसचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी को हटा दिया था। पूर्व कुलसचिव ने वीसी के आदेश को इलाहाबाद हाई कोर्ट में चुनौती दी थी।

गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी का मामला, ऑफिस पर मिला ताला

स्नैक टूरिज्म सफर और स्वाद का नया संगम

किसी शहर को समझने के लिए अब केवल इमारतें या म्यूजियम नहीं, बल्कि उसका लोकल स्वाद भी अहम हो गया है। इस साल तेजी से उभरता ट्रेंड स्नैक टूरिज्म उन यात्रियों का है, जो स्ट्रीट फूड और लोकल स्नैक्स के ज़रिए किसी जगह को जानना चाहते हैं:

Saroj.Dhuliya@timesofindia.com

जब यात्रा का मकसद घूमने से ज्यादा लोकल जायकों का स्वाद और अनुभव बन जाए, उसे स्नैक टूरिज्म कहते हैं। तेजी से उभरता यह ट्रेंड फाइव स्टार रेस्टोरेंट या फाइन डाइनिंग तक ही सीमित नहीं है, बल्कि लोकल मार्केट, गली-मोहल्ले, स्ट्रीट स्टॉल्स और छोटे बेकरी शॉप्स तक फैला हुआ है।

इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (IATO) के प्रेसिडेंट रवि गोसाईं कहते हैं, 'स्नैक टूरिज्म आज के यात्रियों, खासकर युवाओं में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। अब लोग सिर्फ घूमने की जगहें नहीं देखते, बल्कि किसी शहर के लोकल स्ट्रीट फूड, चॉकलेट और पारंपरिक स्नैक्स का स्वाद लेना और उन्हें साथ ले जाना भी पसंद कर रहे हैं। इससे यात्रा का अनुभव और मजेदार बनता है और साथ ही स्थानीय दुकानों व कारोबार को भी आर्थिक फायदा मिलता है।'

ट्रैवल एजेंट सुमित कुमार बताते हैं, 'अब यात्री ऐसे शहरों को चुन रहे हैं, जहां घूमने के साथ-साथ लोकल स्नैक्स और स्ट्रीट फूड का अनुभव भी मिल सके। यही वजह है कि स्नैक टूरिज्म आज ट्रैवल प्लानिंग का अहम हिस्सा बनता जा रहा है।'

दरअसल, जैसे एडवेंचर टूरिज्म रोमांच पसंद करने वालों को आकर्षित करता है, एस्ट्रो टूरिज्म आसमान के तारों से जोड़ता है, वैसे ही स्नैक टूरिज्म खाने के शौकीनों को किसी जगह की संस्कृति से जोड़ता है, वो भी एक बाइट में।

क्यों इस साल का बड़ा ट्रैवल ट्रेंड है स्नैक टूरिज्म?

स्टडीज बताती हैं कि इस ट्रेंड को सबसे ज्यादा 90's के मिलेनियल्स और Gen Z आगे बढ़ा रहे हैं। एक ट्रैवल ऐप के मुताबिक, यूके के करीब 49% यात्री यात्रा के दौरान लोकल खाने और स्नैक्स को सबसे अहम मानते हैं। 59% मिलेनियल्स किसी जगह को चुनते समय वहां के पॉपुलर स्नैक्स पर ध्यान देते हैं। 70% लोग खास विदेशी खाने के लिए अलग से बजट बनाते हैं। 38% Gen Z ने कहा कि वे एफिल टॉवर देखने से ज्यादा क्रेप खाना खाना पसंद करेंगे।

> स्नैक टूरिज्म युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, जहां पर्यटक स्थानीय स्ट्रीट फूड और पारंपरिक स्नैक्स का स्वाद लेने के साथ उन्हें साथ ले जाना भी यात्रा का अहम हिस्सा मानते हैं, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है।
> -रवि गोसाईं, IATO के प्रेसिडेंट

स्नैक टूरिज्म क्यों बढ़ रहा है?

- **यंग जनरेशन का असर:** मिलेनियल्स और Gen Z के लिए खाना सिर्फ पेट भरने की चीज नहीं, बल्कि एक्सपीरियंस है।
- **सांस्कृतिक जुड़ाव:** किसी जगह का स्वाद वहां की परंपरा, मौसम और लोगों की आदतों को दर्शाता है।
- **आसान और किफायती:** महंगे रेस्टोरेंट की बजाय लोकल बाजारों में सस्ते, ऑथेंटिक और दमदार फ्लेवर मिल जाते हैं।
- **सोशल मीडिया फैक्टर:** लोकल स्नैक्स की रील्स, ब्लॉग्स और फूड हॉल्स, इस ट्रेंड को और तेज कर रहे हैं।

स्वाद के साथ शहरों की सैर

इंदौर: यहां के पोहा-जलेबी, भुट्टे का कीस, गराडू चाट, साबूदाना खिचड़ी बेहद पॉपुलर है।
कहां जाएं: सराफा बाजार

अमृतसर: हर निवाले में पंजाब की रिच फ्लेवर। अमृतसरी कुल्चा, आलू टिक्की, पनीर पकोड़ा, लस्सी यहां जरूर आजमाएं।
कहां जाएं: हॉल बाजार, गुरु बाजार

कोलकाता: यहां के स्नैक्स का स्वाद बाकी शहरों से बिल्कुल अलग। पुचका, काठी रोल, झालमुड़ी, तेलेभाजा यहां की जानी-मानी स्वादिष्ट चीजें हैं।
कहां जाएं: गरियाहाट बाजार, न्यू मार्केट

अहमदाबाद: शाकाहारी स्नैक्स का स्वर्ग। यहां आकर खाखरा, फाफड़ा-जलेबी, खांडवी, ढोकला जरूर ट्राई करें।
कहां जाएं: मानेक चौक, लाल दरवाजा बाजार

बेंगलुरु: दक्षिण भारतीय स्नैक्स का फ्लेवर हब। यहां के लोकप्रिय स्नैक्स में बेन्ने डोसा, मद्दुर वड़ा, चटनी पुडी इडली, मैंगलोर बन्स आदि हैं।

क्या है इरिटेबल बाउल सिंड्रोम और कैसे इस बीमारी से करें बचाव?

@indiapicture

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस खुशी कपूर ने हाल ही में खुलासा किया कि वह इरिटेबल बाउल सिंड्रोम (IBS) से जूझ रही हैं। यह किस तरह की बीमारी है और इससे कैसे बाहर निकलना है, जानिए।

आईबीएस क्या है?

आईबीएस यानी इरिटेबल बाउल सिंड्रोम एक लंबे समय तक चलने वाली पाचन संबंधी समस्या है, जिसमें आंतें सामान्य तरीके से काम नहीं कर पातीं। सर गंगा राम हॉस्पिटल में सीनियर कंसल्टेंट-गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, डॉ. पियूष रंजन बताते हैं कि यह एक आम बीमारी है, जो आंतों और पाचन तंत्र को प्रभावित करती है। यह गट-ब्रेन इंटरैक्शन डिसऑर्डर की श्रेणी में आती है, जिसमें दिमाग और आंत के बीच तालमेल बिगड़ जाता है। इसके मुख्य लक्षणों में पॉटी की आदतों में बदलाव (दस्त या कब्ज) शामिल हैं, जो अक्सर मल त्याग के बाद कम हो जाता है। साथ ही पेट फूलना, गैस, ऐंठन और खाने के बाद पेट दर्द जैसी दिक्कतें भी हो सकती हैं।

आईबीएस का उपचार

आईबीएस के लिए कोई खास डायग्नोस्टिक टेस्ट नहीं है। इसका पता ROME IV क्राइटेरिया के तहत लक्षणों और मेडिकल हिस्ट्री के आधार पर लगाया जाता है, जिसमें पेट दर्द और मल त्याग में बदलाव शामिल हैं। स्वस्थ जीवनशैली, ट्रिगर फूड से परहेज और दवाओं से इसके लक्षणों को नियंत्रित किया जा सकता है। जरूरत पड़ने पर CBT भी मददगार होती है।

बीमारी होने की वजह

डॉ. पियूष रंजन बताते हैं कि गलत खानपान, आंतों में अच्छे-बुरे बैक्टीरिया का असंतुलन, फूड एलर्जी, आंतों का इन्फेक्शन और पाचन प्रक्रिया का धीमा होना, तनाव, चिंता और डिप्रेशन इसके होने की खास वजह हैं। यह बीमारी कम उम्र में भी हो सकती है और 20 साल के बाद इसके लक्षण ज्यादा दिखने लगते हैं, क्योंकि तनाव पेट की नसों को प्रभावित कर आईबीएस के लक्षण बढ़ा देता है।

उपचार के दौरान क्या करें?

इस बारे में फीजिशियन संजय शर्मा कहते हैं कि हल्का भोजन करें, मसालेदार और प्रोसेस्ड फूड कम लें। जो खाद्य पदार्थ लक्षण बढ़ाते हों, उनसे परहेज करें। समय पर खाना खाएं और पर्याप्त पानी पिएं। योग, ध्यान और तनाव से बचने का प्रयास करें।

Advertorial, Entertainment Promotional Feature

Enterटेनमेंट masalamix

इरफान खान बोले, तुम डी डे में भी गाना डाल दोगे: निखिल

ओटीटी पर इन दिनों अपनी वेब सीरीज के जरिए लगातार इतिहास के पन्ने पलट रहे फिल्ममेकर निखिल आडवाणी हाल ही में अपनी सीरीज फ्रीडम ऐट मिडनाइट 2 को लेकर चर्चा में रहे। ऐसे में हमने निखिल से उनके सिनेमाई सफर पर की खास बातचीत:

Upma.Singh@timesofindia.com

Q आपने करियर के शुरुआत में सईद मिर्जा, सुधीर मिश्रा, फिर करण जौहर, आदित्य चोपड़ा जैसे दो बिल्कुल विपरीत धाराओं के फिल्मकारों को असिस्ट किया। उसने आपके भीतर के फिल्मकार को कैसे गढ़ा?

मैं हमेशा से फिल्मी बच्चा रहा हूं। मैं 12वीं में फेल हो गया था क्योंकि बहुत फिल्में देखता था। मैं दिन में पांच या छह फिल्में देखता था तो मेरे अंदर फिल्मों का कीड़ा है। इसलिए, चाहे सत्यजीत रे हों या श्याम बेनेगल, रमेश सिप्पी हों या यश चोपड़ा मैंने सबका सिनेमा देखा है। बाद में खूब पढ़ाई की और जेवियर्स से पास आउट हुआ तो उस समय एक जोश, एक जज्बा था कि हम देश- दुनिया को बदल देंगे। इसलिए सईद मिर्जा, सुधीर मिश्रा के चरणों में जाकर गिर गया और वे सही मायने में मेरे गुरु हैं। आज भी मैं कुछ करते हुए ये सोचता हूं कि सईद और सुधीर क्या करते! लेकिन मेरा जो स्कूल है, जहां मैंने प्रोडक्शन सीखा है वो करण जौहर और यश चोपड़ा के बैनर ही हैं तो दोनों के बीच द्वंद चलता रहता है। मुझे याद है, इरफान खान जब डी डे करने के लिए मन बना रहे थे तो उन्होंने कहा था कि यार, तू उसमें गाना डाल देगा। तू कैसे रियलिस्टिक कर सकता है।

Q आपको सिनेमा की दुनिया में 30 साल हो गए। इतना प्यार-शोहरत हासिल करने के बाद अब क्या लक्ष्य है?

मैं अब सिर्फ लौटाना चाहता हूं। मेरा मानना है कि अगर हम उस इंडस्ट्री को वापस नहीं देंगे जिससे हमने इतना कुछ पाया है तो हम बहुत छोटी सोच वाले हो रहे हैं। इसलिए, मैं दूसरे राइटर-डायरेक्टर्स को सपोर्ट कर रहा हूं। हमने साबर बोंडा जैसी फिल्म बनाई। हमने राइटर्स को मजबूत करने के लिए राइटर्स रेजिडेंसी प्रोग्राम बनाया था तो मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने यही रखता है कि मैं कैसे इंडस्ट्री को मजबूत करने में अपना योगदान दे पाऊं।

Q इधर, आप लगातार इतिहास के पन्नों को अपनी सीरीज के जरिए पलट रहे हैं। रॉकेट बॉयज, द एम्पायर, फ्रीडम ऐट मिडनाइट के बाद आपकी आली सीरीज द रिवॉल्यूशनरीज भी स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में है। ऐसा क्यों?

मुझे इतिहास के पॉडकास्ट सुनना, इतिहास की किताबें पढ़ना बहुत पसंद है। मेरी चाहत है कि मैं ऐसा काम करूं जिससे लोगों को अपना इतिहास याद रहे। मेरी बेटी 19 साल की है, मैं चाहता हूं कि उसे अपने देश का इतिहास पता हो। वह उसे भूले नहीं। मेरा खुद का परिवार सिंध और कराची से है तो मैं चाहता हूं कि उसे पता हो कि हमारे दादा-दादी ने बंटवारे के दौरान क्या भुगता था? इसलिए मैंने फ्रीडम ऐट मिडनाइट बनाया। जबकि, रिवॉल्यूशनरीज संजीव सान्याल जी की किताब पर आधारित है। वह गांधी जी से पहले पहले के जो क्रांतिकारी रहे हैं, उन पर है लेकिन वह फ्रीडम ऐट मिडनाइट से बहुत अलग है। वह क्रांति की कहानी है, मगर उसमें 5 गाने भी हैं, 11 ऐक्शन सीन भी हैं, लव स्टोरी भी है तो उसमें मैं सब कुछ कर रहा हूं। मैं थोड़ा बहुत मनोज कुमार बनने की कोशिश कर रहा हूं।

Q आज के समय में आपको इंडस्ट्री में किस चीज में सुधार की जरूरत महसूस होती है?

मुझे लगता है कि फिल्ममेकर्स को ज्यादा पढ़ना चाहिए। जैसे, पहले के जमाने में यश चोपड़ा को साहिर लुधियानवी की सारी कविता जुबानी याद थी। वे दिल से खुद कवि थे। मुझे उनके साथ काम करने की खुशनसीबी मिली। आज हम विदेशी फिल्में देखते हैं और हमें लगता है कि यही सिनेमा है। हमें अपना साहित्य और पढ़ना चाहिए। विश्व सिनेमा और देखना चाहिए और इस ओपनिंग और वीकेंड के आंकड़ों के खेल से बचना चाहिए।

Q किताब को स्क्रीन पर अडाप्ट करना जटिल काम होता है। फिर इस शो में गांधी जी, नेहरू, जिन्ना, पटेल जैसे ऐतिहासिक हस्तियों का चित्रण और अपनी क्रिएटिव आजादी के बीच कैसे तालमेल बिठाया?

आपने सही कहा कि किताब को स्क्रीन पर उतारना चुनौतीपूर्ण काम है। फिर फ्रीडम ऐट मिडनाइट बेशक बहुत उम्दा किताब है, मगर ऐसे भी लोग हैं जिन्हें लगता है कि इसमें कहानी पश्चिमी नजरिए से कही गई है। इसे अंग्रेजों ने लिखा है तो क्या वास्तव में यह हमारा इतिहास है? लेकिन हमें किताब बहुत पसंद आई तो हमने इसे अडाप्ट करने का फैसला किया और किसी किताब को अच्छे से तभी अडाप्ट कर सकते हैं अगर राइटिंग मजबूत हो। हमारे शो में छह राइटर्स का क्रेडिट है। उनके साथ औरों की भी मेहनत है। इसे सिर्फ लिखने में डेढ़ साल लगे। रही बात इसे पर्दे पर दिखाने की तो मेरा मानना है कि कभी भी इतिहास एक नहीं हो सकता है। अलग-अलग लोगों का उसे देखने का अलग दृष्टिकोण हो सकता है। इसलिए, मैंने ये तय किया था कि मैं इसमें अपना जजमेंट नहीं देने वाला कि ये सही हैं या ये गलत हैं। मैं ऑडियंस को उन कमरों के अंदर लेकर जाना चाहता था, उन दंगों, विरोध के अंदर लेकर जाना चाहता था कि आप खुद तय करें कि नेहरू, जिन्ना, पटेल, माउंटबेटन, मेनन सबको यही जानकारी मिल रही थी जो आपको अभी मिल रही है तो आप खुद तय करें कि उन्होंने सही फैसले लिए या नहीं?, मेरा बैलेंस जजमेंटल न होने से आया।

धुरंधर के बाद आगे क्या करूंगी, पता नहीं: सारा अर्जुन

@saraarjunn

सारा अर्जुन का कहना है कि उन्होंने फिल्म धुरंधर के सीक्वल के बाद का अपना अगला कदम तय नहीं किया है। एक इंटरव्यू में सारा से पूछा गया कि धुरंधर की सफलता के बाद स्क्रिप्ट चुनते समय उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती क्या होती है, तो उन्होंने कहा, 'मैं इसे हर दिन के बदलाव के रूप में देखती हूं, क्योंकि हम हर रोज ग्रो करते हैं। आज मुझे इस बात का एहसास है कि ऐक्टिंग को अपने पेशे के रूप में अपनाना एक बहुत बड़ा सौभाग्य है।'

धुरंधर 2 के बाद सारा किन प्रोजेक्ट्स में दिखेंगी? इस पर वह कहती हैं, 'मेरे अगले कदम के बारे में फिलहाल कुछ तय नहीं है। मुझे नहीं पता कि मैं मार्च के बाद क्या करूंगी। मैं यह बात बहुत सकारात्मक तरीके से कह रही हूं।' हालांकि सारा कहती हैं कि मुझे यह अनिश्चितता की स्थिति पसंद है। उन्होंने कहा, 'मुझे यह अनिश्चितता बहुत पसंद है क्योंकि यह मुझे हमेशा सीखने की स्थिति में रखती है। मैं ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं जो बहुत दमदार हों, खासतौर पर जिनमें भावनात्मक गहराई हो।'

एक ही फ्रेम में नज़र आए शाहरुख-कैटी

Photo: Social Media

शाहरुख खान हाल ही में सऊदी अरब के रियाद में हुए जॉय अवॉर्ड्स में शामिल हुए। अब इस इवेंट से जुड़ा एक ऐसा मोमेंट सामने आया है, जो शाहरुख के फैंस के लिए खास बन गया है। दरअसल इस अवॉर्ड फंक्शन में से उनके चहेते स्टार का एक फोटो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, जिसमें वह ग्लोबल पॉप स्टार कैटी पेरी संग खड़े हैं। इस दौरान मंच पर शाहरुख से जब पूछा गया कि उन्हें सऊदी अरब आकर कैसा लगता है, तो उन्होंने कहा कि वह यहां एक बार काम के सिलसिले में नहीं, बल्कि छुट्टियां बिताने भी आना चाहते हैं।

शाहरुख ने कहा, 'यह जानकर बहुत खुशी होती है कि यहां के लोग मेरे काम को पसंद करते हैं। मैंने यहां एक फिल्म की शूटिंग की है, इसलिए मुझे यहां की लोकेशन्स बहुत अच्छी लगती हैं। यहां का कल्चर, लोग और खाना भी बहुत शानदार है। अब मैं यहां काम के लिए नहीं, बल्कि छुट्टियों के लिए आना चाहता हूं।' इस इवेंट में शाहरुख के अलावा कई ग्लोबल स्टार्स जैसे मिली बॉबी ब्राउन और ली जंग जे ने भी शिरकत की। वहीं फोटो पर शाहरुख के फैंस बेहद खुश नज़र आ रहे हैं और कई सारे रिएक्शन्स भी दे रहे हैं। कुछ फैंस शाहरुख को अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने वाला सुपरस्टार बता रहे हैं।

> मैंने यहां (सऊदी अरब) एक फिल्म की शूटिंग की है, इसलिए मुझे यहां की लोकेशन्स बहुत अच्छी लगती हैं।

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in